

यशभारत

● वर्ष-01 अंक-129 ● इंदौर ● शनिवार, 26 सितम्बर , 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● भाद्रपद शुक्ल 14● विक्रम संवत् 2083

दो लाख की रिश्त लेते नगर पालिका सीएमओ गिरफ्तार

लोकायुक्त ने मंडला नगर पालिका कार्यालय में की कार्रवाई

ठेकेदार से भुगतान के एवज में मांगी थी रिश्त



निशाने पर सोना

नया एशियन रिकॉर्ड

कमलजीत-सुरुचि की 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम में स्वर्णिम बाजी

आइची-नागोया, एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 में 25 सितंबर की सुबह भारत के लिए स्वर्णिम रही। शूटिंग के 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में कमलजीत और सुरुचि की भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। यह खेलों में भारत का दूसरा स्वर्ण है। इससे पहले भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने स्वर्ण पदक जीता था। शूटिंग में यह भारत का पहला स्वर्ण पदक है।

भारतीय जोड़ी ने फाइनल में शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी। दबाव के बीच दोनों निशानेबाजों ने लगातार सटीक शॉट लगाए और 484.6 अंक के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। दक्षिण कोरिया की जोड़ी ने 478.0 अंक के साथ रजत, जबकि ईरान ने 415.7 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। इंडोनेशिया चौथे स्थान पर रहा। क्वालिफिकेशन में भी बनाया रिकॉर्ड- कमलजीत और सुरुचि ने फाइनल से पहले क्वालिफिकेशन में भी अपना दबका कायम रखा था। भारतीय जोड़ी ने 597-29× का स्कोर बनाकर पहला स्थान हासिल किया और क्वालिफिकेशन में एशियन गेम्स रिकॉर्ड बनाया। फाइनल में 484.6 अंक का स्कोर भी नया एशियन रिकॉर्ड रहा।

स्वर्ण अलग, रिकॉर्ड अलग उल्लिख- भारतीय जोड़ी की उपलब्धि में दो अलग बातें दर्ज हुईं। स्वर्ण पदक जीतना प्रतियोगिता का परिणाम है, जबकि 484.6 अंक बनाना फाइनल का एशियन रिकॉर्ड है। इससे पहले फाइनल का एशियन रिकॉर्ड उज्बेकिस्तान के नाम था, जिसने फरवरी में 481.3 अंक बनाए थे। भारतीय जोड़ी ने इसे पीछे छोड़ दिया।

महदेव बेटिंग ऐप केस में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई, दुर्बई से लौटते ही किंगपिन अभिषेक कुमार गिरफ्तार



हैदराबाद, एजेंसी। महदेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रमुख आरोपी और कथित किंगपिन अभिषेक कुमार को गिरफ्तार किया है। दुर्बई से भारत लौटते ही उसे हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पकड़ा गया। गिरफ्तारी के बाद उसे स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से सीबीआई को तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड मिली। इसके बाद रायपुर की अदालत ने अभिषेक को दो दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया। जांच एजेंसी के मुताबिक, अभिषेक कुमार महदेव बुक के जरिए ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए का नेटवर्क संचालित करने में सक्रिय भूमिका निभा रहा था। वह अलग-अलग पैलन के बीच समन्वय करने और सट्टेबाजी से जुटाई गई रकम के संग्रह में भी शामिल था। एजेंसी का दावा है कि सट्टेबाजी से अर्जित धन से अभिषेक ने दुर्बई में अवल संपत्तियां खरीदी थीं। गिरफ्तारी के बाद की गई तलाशी में सीबीआई ने कई महत्वपूर्ण सामान और दस्तावेज जब्त किए हैं। एजेंसी के अनुसार, जब सामग्री से प्रथम दृष्टया मामलों में उसकी भूमिका के संकेत मिले हैं।

ट्रंप-जिनपिंग की गर्मजोशी, क्या सच में पिघलेंगे मतभेद?



वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार, तकनीक और राजनीतिक मुद्दों पर लंबे समय से जारी तनाव के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की क्लइट हाउस में मुलाकात के दौरान रिश्तों में गर्मजोशी दिखाई दी। राजकीय रतिगोचर से पहले दोनों नेताओं ने अमेरिका-चीन संबंधों को आगे बढ़ाने और दोनों देशों के लोगों के बीच संबंध मजबूत करने पर जोर दिया। हालांकि, इस सार्वजनिक गर्मजोशी के बावजूद दोनों देशों के बीच पुराने मतभेदों को कम करना अभी बड़ी चुनौती बनी हुई है। ट्रंप ने वी शी जिनपिंग और उनकी पत्नी पेन लियुआन का क्लइट हाउस में स्वागत किया। इस दौरान ट्रंप की पत्नी मेलानिया ट्रंप भी मौजूद रहीं। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और चीन मले ही अलग-अलग राजनीतिक व्यवस्थाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन दोनों देशों के लोगों के बीच संबंध कायम हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के नेता इस रिश्ते को ऐसी दिशा दे सकते हैं, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए समृद्धि और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

यशभारत

● वर्ष-01 अंक-129 ● इंदौर ● शनिवार, 26 सितम्बर , 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● भाद्रपद शुक्ल 14● विक्रम संवत् 2083

दो लाख की रिश्त लेते नगर पालिका सीएमओ गिरफ्तार

लोकायुक्त ने मंडला नगर पालिका कार्यालय में की कार्रवाई

ठेकेदार से भुगतान के एवज में मांगी थी रिश्त

मंडला,यश भारत। लोकायुक्त पुलिस ने शुक्रवार को मंडला नगर पालिका परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी गजानन नाफड़े को दो लाख रुपए की रिश्त लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। कार्रवाई पुलिस महानिदेशक लोकायुक्त मध्यप्रदेश योगेश देशमुख के निर्देशन और पुलिस उप महानिरीक्षक लोकायुक्त मनोज सिंह के नेतृत्व में की गई। लोकायुक्त के अनुसार जबलपुर निवासी शासकीय पंजीकृत ठेकेदार ज्ञानचंद बेन ने शिकायत की थी कि उनकी पत्नी के नाम से पंजीकृत फर्म को मंडला नगर पालिका से एलईडी लाइट और फिटकरी सप्लाई का ठेका मिला था। इसके अलावा शिकायतकर्ता को पाइप जॉइंट और वाटर कूलर सप्लाई का कार्य मिला था।

शिकायतकर्ता के अनुसार पत्नी की फर्म के 3 लाख 92 हजार 300 रुपए का भुगतान हो चुका था। इसके बाद अपने करीब 15 लाख रुपए के लंबित



भुगतान के लिए वह नगर पालिका सीएमओ गजानन नाफड़े से मिला। आरोप है कि सीएमओ ने भुगतान के एवज में उसकी पत्नी के कार्य के भुगतान का

12 प्रतिशत रिश्त के रूप में मांगा। शिकायत मिलने के बाद लोकायुक्त पुलिस ने मामले का सत्यापन कराया।

सत्यापन के दौरान रिश्त की मांग की पुष्टि होने पर आरोपी सीएमओ ने दो लाख रुपए लेने पर सहमति जताई। इसके बाद शुक्रवार को लोकायुक्त की टीम ने नगर पालिका परिषद मंडला कार्यालय में जाल बिछाया और गजानन नाफड़े को दो लाख रुपए की रिश्त लेते रंगे हाथ पकड़ लिया।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई

लोकायुक्त ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7, 13(1)(बी) और 13(2) के तहत कार्रवाई शुरू की है। ट्रेप कार्रवाई में टीएलओ निरीक्षक राहुल गुजिअर, निरीक्षक जितेंद्र यादव, निरीक्षक बृजमोहन सिंह नरवरिया सहित लोकायुक्त जबलपुर का दल शामिल रहा।

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा दो दशक बाद लौटी सरकारी बसें

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी - मुख्यमंत्री मोहन यादव ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

भोपाल, यशभारत। मध्यप्रदेश में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को विस्तार देने की दिशा में शुक्रवार को मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा अंतर्गत सावजनिक यात्री बसों के संचालन का शुभारंभ केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के बीएचईएल दशराह मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बसों को हरी झंडी दिखा किया। इसके पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को प्रदेश में जारी नेशनल हाइवे प्रोजेक्ट्स तथा अन्य सड़क परियोजनाओं से समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में अवगत कराया। इसके बाद भोपाल में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा अंतर्गत सावजनिक यात्री बसों के संचालन का शुभारंभ किया गया।



पहले चरण में इंदौर में सबसे अधिक 145 बसें चलेंगी। इनमें 50 इंटरसिटी और 95 इंट्रासिटी बसें शामिल हैं। भोपाल में 106 बसों का संचालन होगा, जिनमें 23 इंटरसिटी और 83 इंट्रासिटी बसें रहेंगी। जबलपुर में 67 बसें शुरू की जाएंगी, जिसमें 14 इंटरसिटी और 53 इंट्रासिटी बसें शामिल हैं। इसके अलावा रीवा में 18, देवास में 10, कटनी में 3 और भिंड में 2 बसों का संचालन शुरू होगा। रीवा, देवास, कटनी और भिंड में

शुरुआती चरण में इंटरसिटी सेवाओं पर जोर दिया गया है। नई बस सेवा को सबसे बड़ी विशेषता इसमें सुरक्षा और निगरानी के लिए तकनीक का इस्तेमाल है। बसों में सीसीटीवी कैमरे, पैनिक बटन और व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस लगाए गए हैं। इससे महिलाओं, बच्चों और अन्य यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के साथ किसी आपात स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था होगी। बसों में पैसेंजर इनफॉर्मेशन



सिस्टम भी लगाया गया है, जिससे यात्रियों को यात्रा और बस संचालन से संबंधित जरूरी जानकारी मिल सकेगी। बसों के संचालन की निगरानी के लिए इंटीलिजेंट ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम यानी आईटीएमएस का इस्तेमाल किया जाएगा। कमांड सेंटर से बसों की लोकेशन, रुट, संचालन और समयबद्धता पर नजर रखी जाएगी। इससे यह भी पता लगाया जा सकेगा कि बस निर्धारित मार्ग पर चल रही है या नहीं। पैनिक बटन सक्रिय होने की स्थिति में संबंधित बस की लोकेशन तत्काल सामने आने से आपातकालीन सहायता पहुंचाने में मदद मिलेगी। सरकार ने सेवा को केवल 351 बसों तक सीमित नहीं रखा है।

पहले वर्ष में 1500 बसें संचालित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद हर साल करीब 2500 से 3000 बसें नेटवर्क में जोड़ने की योजना है। वर्ष 2031 तक करीब 15 हजार बसों का नेटवर्क तैयार करने का लक्ष्य है। इसके लिए पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत निजी बस ऑपरेटरों को भी जोड़ा जाएगा। आधुनिक डिग्री और टर्मिनल विकसित करने के साथ ऑपरेटरों के लिए विज्ञापन और कार्गो जैसी गैर-किराया आय के विकल्प भी प्रस्तावित हैं।

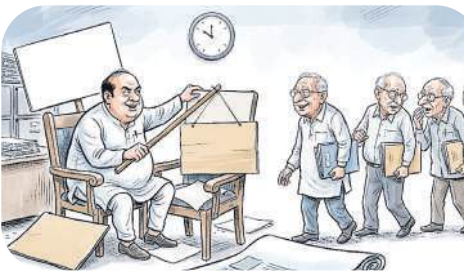
सुरक्षित संचालन के लिए ड्राइवरों को तकनीकी और सुरक्षित यातायात व्यवस्था का प्रशिक्षण देने की योजना भी है। यात्रियों की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए शिकायत निवारण प्रणाली विकसित की जाएगी। ऐसे में आज शुरू होने वाली 351 बसें प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन के बड़े विस्तार की शुरुआत हैं। योजना की वास्तविक स्फूर्तता इस बात से तय होगी कि बसें कितनी नियमितता से चलती हैं, सेवाओं का विस्तार ग्रामीण और छोटे शहरों तक कितनी तेजी से होता है और यात्रियों को सुरक्षित, समयबद्ध तथा सुविधाजनक परिवहन कितना उपलब्ध हो पाता है।

कुर्सी वही, सिर्फ बदला पदनाम, अब रिटायर्ड होने वालों को साधने की जुगत

अजय पांडे

यश भारत, भोपाल। मध्यप्रदेश में प्रदेश शासन द्वारा प्रशासनिक तंत्र को खुश करने के नाम पर जुलाई में बांटे गए 'प्रमोशन' महज एक कागजी छलावा बनकर रह गए हैं। लगभग एक लाख अधिकारियों और कर्मचारियों को पदोन्नति का तोहफा तो दिया गया, लेकिन हकीकत यह है कि न तो उनका कमावा बदला, न मेज और न ही जिम्मेदारी। अफसर कल तक जिस कुर्सी पर बैठकर फाइलें निपटा रहे थे, आज भी उसी जगह जमे हुए हैं। बदलाव के नाम पर सिर्फ उनका 'पदनाम' बदला, जबकि वास्तविक पद स्थापना और लाभ का

इंतजार अब भी बरकरार है। इस आधे-अधूरे प्रमोशन के बाद अब सरकार रिटायरमेंट के मुहाने पर खड़े अधिकारियों-कर्मचारियों को साधने की नई कसरत में जुट गई है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) को निर्देश दिए गए हैं कि ऐसे कर्मियों की डीपीआर (DPC) कराई जाए जिनका रिटायरमेंट 1 से 2 साल में होने वाला है। सवाल यह उठ रहा है कि जब पहला चरण ही कागजों तक सीमित रहा, तब नई कवायद से क्या हासिल होगा? पुराना दर्द दूर हुआ नहीं, और सरकार अब नई चुनचुनी थमने की तैयारी में है।



ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव की तैयारी दो हफ्ते में नोटिस लाने की विपक्ष की तैयारी

नई दिल्ली, यशभारत। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्षी दल संसद के दोनों सदनों में महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहे हैं। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर विपक्षी दलों से संपर्क शुरू कर दिया है। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, प्रस्ताव का नोटिस अगले दो सप्ताह के भीतर संसद में पेश किया जा सकता है। विपक्षी गठबंधन के दलों ने इसे लेकर जरूरी समर्थन जुटाने की कवायद शुरू कर दी है।



में एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि निर्वाचन आयुक्त

सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले करीब 10 महीनों में आयोग के कुछ फैसलों और प्रक्रियाओं को लेकर कई बार आपत्तियां दर्ज कराई थीं। विपक्षी दलों ने इस रिपोर्ट के आधार पर मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। विपक्ष इससे पहले भी ज्ञानेश कुमार को हटाने का नोटिस दे चुका है।

कांग्रेस का देशव्यापी प्रदर्शन

कांग्रेस शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर देशभर में प्रदर्शन कर रही है। अंतर्राष्ट्र के देशादून में कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। पटना में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। इधर, कोयंबूर जगत पार्टी ने शुक्रवार को कहा कि अगर ज्ञानेश कुमार ने इस्तीफा नहीं दिया तो 2 अक्टूबर से देशव्यापी आंदोलन करेंगे। दसकने मुख्य चुनाव आयुक्त को ज्ञानेश कुमार को 48 घंटे की डेलाइन दी थी। हड़ताल लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखल की गई है। याचिका में हड़ताल के दौरान, रिटानिरी और लांटरनर बलात्ता को अस्वीकार्य घोषित करने और करीब 13 करोड़ वोटों के नाम हटाने की दख्खाना मांग की गयी है। कांग्रेस का आरोप है कि ज्ञानेश कुमार चुनाव आयोग में गठमनी कर रहे हैं।

एनालॉग उत्पादों को 'पनीर' बताकर बेचने पर लगेगी रोक दूध से नहीं बने उत्पादों के नामकरण और लेबलिंग पर एफएसएसएआई का प्रस्ताव

नई दिल्ली, यशभारत। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने एनालॉग उत्पादों के भ्रामक विपणन पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्राधिकरण ने खाद्य सुरक्षा और मानक (बिक्री पर निषेध और प्रतिबंध) विनियम, 2011 में संशोधन का मसौदा प्रस्तावित किया है। इसके तहत दूध से प्राप्त घटकों से निर्मित नहीं होने वाले उत्पादों को 'पनीर' के रूप में प्रस्तुत करने पर रोक लगाने का प्रस्ताव है। प्रस्तावित खाद्य सुरक्षा और मानक (बिक्री पर निषेध और प्रतिबंध) संशोधन विनियम, 2026 में मौजूदा विनियम 2.1.1 के तहत एक नया प्रावधान शामिल करने का प्रस्ताव है। इसमें विशेष रूप से ऐसे उत्पादों को शामिल किया गया है, जो दूध से प्राप्त घटकों से निर्मित नहीं हैं, लेकिन उन्हें पनीर के समान उत्पाद के रूप में बाजार में प्रस्तुत किया जाता है। एफएसएसएआई के प्रस्ताव के अनुसार, 'डेयरी संदर्भ में एनालॉग' श्रेणी के तहत पहले से लाइसेंस प्राप्त या पंजीकृत उत्पादों को अपने नामकरण, लेबलिंग और विपणन में 'पनीर' शब्द का इस्तेमाल बंद करना होगा।

सिविकम में लैंडस्लाइड से तबाही

गांव की ओर बहा पहाड़ का मलबा, कई घर क्षतिग्रस्त

गंगोटक, एजेंसी। सिक्किम में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच पश्चिम सिक्किम के रिम्बी गांव में गुरुवार देर रात भूस्खलन से भारी नुकसान हुआ। युक्सोम-ताशीडिंग क्षेत्र में पहाड़ी का बड़ा हिस्सा खिसकने के बाद चट्टानें, मिट्टी और मलबा तेजी से गांव की ओर बहा। इसकी चपेट में आने से कई घर क्षतिग्रस्त हो गए। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पहाड़ी से मलबे का तेज बहाव नीचे गांव की ओर आता दिखाई दे रहा है। हालांकि, अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। भूस्खलन के बाद इलाके में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। लगातार बारिश के कारण आसपास के अन्य घरों और सड़कों पर भी खतरा बना हुआ है। प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने और जोखिम वाले क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है। स्थानीय स्तर पर नुकसान का आकलन और प्रभावित इलाकों में स्थिति की निगरानी की जा रही है।



पहले भी बह चुका है सड़क का हिस्सा

रिम्बी क्षेत्र में मानसून के दौरान भूस्खलन की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। इससे पहले रिम्बी को खेचोपालरी से जोड़ने वाली सड़क का एक बड़ा हिस्सा मलबे और बारिश के कारण बह गया था। इसके बाद राज्य सरकार ने मानसून से प्रभावित सड़कों और पुलों का राज्यव्यापी निरीक्षण शुरू किया था। अधिकारियों को क्षतिग्रस्त हिस्सों का आकलन कर यातायात और संपर्क व्यवस्था जल्द बहाल करने के निर्देश दिए गए थे। सड़क एवं पुल मंत्री एनबी एनबी युक्सोम-ताशीडिंग क्षेत्र में रिम्बी और आसपास के क्षतिग्रस्त हिस्सों का निरीक्षण किया था। उन्होंने सुरक्षा जोखिमों को देखते हुए मरम्मत कार्य तेज करने के निर्देश दिए। एनएचआईडीसीएल के अधिकारियों और ठेकेदारों को भी प्रभावित सड़क हिस्सों की मरम्मत जल्द शुरू करने तथा यात्रियों की परेशानी कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा गया था। ताजा भूस्खलन ने एक बार फिर पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बारिश के दौरान सड़क संपर्क और आबादी की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। प्रशासन की प्राथमिकता प्रभावित परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही मलबा हटकर संपर्क मार्गों को सुरक्षित करना है।

छात्रावास में तीन जूनियर छात्रों से बर्बरता का आरोप, बेल्ट से पीटा, हाथों पर रखे अंगारे

मंडला, यशभारत। मंडला जिले के पाटा सिहोरा स्थित राजा शंकर शाह-रघुनाथ शाह शासकीय सीनियर एंव जूनियर बालक छात्रावास में जूनियर छात्रों के साथ कथित बर्बरता का मामला सामने आया है। आरोप है कि सीनियर छात्रावास के कुछ छात्रों ने चोरी के शक में जूनियर छात्रावास के तीन बच्चों को रात में सोते समय उठाया और उनके साथ मारपीट की। बच्चों के अनुसार, पहले उनसे पैसे चोरी करने के बारे में पूछताछ की गई और इसके बाद बेल्ट से पीटा गया। आरोप है कि प्रताड़ना यहीं नहीं रुकी और बच्चों के हाथों पर कथित तौर पर अंगारे रख दिए गए। इससे उनके हाथ झुलसने और छले पड़ने की बात सामने आई है।



बताया गया कि बच्चों से कहा गया कि जिसने चोरी नहीं की होगी, उसके हाथ नहीं जलेंगे। इसके बाद कथित तौर पर उनके हाथों पर अंगारे रखे गए। घटना के बाद बच्चों ने परिजनों को इसकी जानकारी दी। जानकारी मिलते ही परिजन छात्रावास पहुंचे और बच्चों के साथ हुई कथित घटना को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने छात्रावास में बच्चों की सुरक्षा, निगरानी और अधीक्षक की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए। मामले की जानकारी मिलने के बाद पिंडर पुलिस और सहायक आयुक्त कार्यालय की ओर से जांच शुरू की गई है। घटना के सामने आने के बाद छात्रावास की निगरानी व्यवस्था भी सवाल के घेरे में है। खासतौर पर यह सवाल उठ रहा है कि रात में जूनियर छात्रों को छात्रावास से उठाकर उनके साथ कथित मारपीट और प्रताड़ना कैसे की गई और जिम्मेदार कर्मचारियों को इसकी जानकारी क्यों नहीं हुई। जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारी अरुण शुक्ला ने मामले को गंभीर बताते हुए त्वरित कार्रवाई की बात कही है। उन्होंने बताया कि वे भोपाल में बैठक के लिए गए थे और लौटने के बाद मामले की पूरी जानकारी ली जा रही है। उनका कहना है कि जांच में यदि कोई व्यक्ति दोषी पाया

जाता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि पिछले महीने उन्होंने छात्रावास का निरीक्षण किया था। उस समय सीनियर आदिवासी बालक छात्रावास के अधीक्षक मौजूद थे, जबकि जूनियर बालक छात्रावास के अधीक्षक अक्काश पर थे। अधिकारी ने कहा कि विभाग ने मामले का तत्काल संज्ञान लिया है। घटना गंभीर है, इसलिए जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ विभागीय नियमों के अनुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस और विभागीय स्तर पर जांच जारी है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि बच्चों के साथ वास्तव में क्या हुआ, घटना में कौन-कौन शामिल थे और छात्रावास प्रबंधन की इसमें क्या भूमिका रही।

इन्होंने कहा...

मैं बाहर भोपाल गया था जैसे ही मुझे घटना के सम्बन्ध पता चलने पर जांच के लिए कमेटी गठित की है।

अनिल उड्डेके, छात्रावास अधीक्षक सिहोरा, जिला मंडला

सब्सिडी के बदले रिश्तत मांगना पड़ा भारी, दो विपणन अधिकारी निलंबित

सीहोर में 50-50 हजार तो रायसेन में 60 हजार रुपये मांगने की शिकायत, कृषि मंत्री के निर्देश पर कार्रवाई

भोपाल, यश भारत । सब्सिडी की राशि जारी करने के बदले वेयरहाउस संचालकों से कथित तौर पर रिश्तत मांगना कृषि विभाग के दो विपणन अधिकारियों को भारी पड़ गया। शिकायतें केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान तक पहुंचने के बाद विभाग ने नीरज वर्मा और संदीप दीदावत को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। दोनों अधिकारियों के खिलाफ विभागीय स्तर पर जांच भी शुरू कर दी गई है। अधिकारियों से जुड़े दस्तावेज और शिकायतों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।



रायसेन में 60 हजार मांगने का आरोप

विपणन अधिकारी नीरज वर्मा पर सीहोर जिले के वेयरहाउस संचालकों से सब्सिडी की राशि जारी करने के एवज में 50-50 हजार रुपये मांगने का आरोप है। वेयरहाउस संचालकों ने आरोप लगाया कि राशि जारी करने की प्रक्रिया में अनावश्यक देरी की जा रही थी और भुगतान के लिए कथित तौर पर रकम की मांग की गई। इस मामले की शिकायत मिलने के बाद विभाग ने प्रारंभिक जानकारी जुटाई और कार्रवाई की। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि सब्सिडी योजना के तहत पात्र वेयरहाउस संचालकों को निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद राशि जारी की जानी थी। हालांकि, कथित रिश्तत की मांग के कारण संचालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। विभाग अब यह भी जांच कर रहा है कि इस मामले में किसी अन्य अधिकारी या कर्मचारी की भूमिका तो नहीं थी।

दूसरे मामले में विपणन अधिकारी संदीप दीदावत पर रायसेन स्थित प्रकाश वेयरहाउस के संचालक से 60 हजार रुपये मांगने की शिकायत सामने आई। बताया गया कि निरीक्षण के दौरान सब्सिडी की राशि जारी करने के बदले रकम की मांग की गई थी। शिकायत के अनुसार, वेयरहाउस संचालक से भुगतान प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए कथित तौर पर 60 हजार रुपये मांगे

दो दिन में दूसरी बड़ी कार्रवाई

दोनों मामलों की शिकायत केंद्रीय कृषि मंत्री तक पहुंचने के बाद उनके निर्देश पर निलंबन की कार्रवाई की गई। खास बात यह है कि दो दिन पहले भी रिश्ततखोरी के मामले में विपणन अधिकारी अनुराग को निलंबित किया गया था। कम समय में सामने आए लगातार मामलों और कार्रवाई से कृषि विभाग में हलचल बढ़ गई है। लगातार सामने आ रही शिकायतों के बाद विभागीय कामकाज और अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। विभाग ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सब्सिडी और अन्य सरकारी योजनाओं से जुड़े भुगतान में पारदर्शिता बरती जाए। किसी भी लाभार्थी या वेयरहाउस संचालक से अवैध राशि मांगने की शिकायत मिलने पर तत्काल जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

गए। मामला सामने आने के बाद शिकायत केंद्रीय कृषि मंत्री तक पहुंची। इसके बाद विभागीय अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। प्रारंभिक जांच में शिकायतों को गंभीर मानते हुए दोनों अधिकारियों को निलंबित किया गया है। विभाग का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद आरोपों की पुष्टि होने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।



सीजेपी के स्कूल ठीक करो अभियान ने सामने रखी एमपी के स्कूलों की जमीनी हकीकत

मेहरागांव स्कूल के तत्काल समाधान और प्रदेशभर में प्रोएक्टिव स्कूल ऑडिट की मांग

भोपाल, यश भारत। सीजेपी के स्कूल ठीक करो अभियान के तहत गुरुवार को भोपाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों के सरकारी स्कूलों की जमीनी स्थिति उनके दस्तावेजी साक्ष्य और समस्याओं के संभावित समाधान प्रस्तुत किए गए।

बल्कि समस्या की पहचान साक्ष्य जुटाने दस्तावेजीकरण और समाधान प्रस्तावित करने की प्रक्रिया विकसित करना है। इसी उद्देश्य से स्कूल ठीक करो अभियान डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार किया गया है। इसके माध्यम से नागरिक अपने क्षेत्र के स्कूलों की समस्याओं की फोटो वीडियो और ऑडियो आदि के जरिए रिपोर्ट कर सकते हैं। आयोजकों के अनुसार प्लेटफॉर्म 22 भाषाओं में उपलब्ध है और इसका प्रदर्शन प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया गया।

दो प्रमुख मांगें रखीं

अभियान के तहत मेहरागांव स्कूल के लिए तत्काल सुरक्षित शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने और स्कूल के पुनर्निर्माण अथवा स्थायी समाधान की प्रक्रिया स्पष्ट समय सीमा के साथ शुरू करने की मांग की गई। इसके अलावा प्रदेश के सभी प्राथमिक स्कूलों का प्रोएक्टिव इंफ्रस्ट्रक्चर ऑडिट कराने और सामने आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए समयबद्ध कार्रवाई की मांग रखी गई। आयोजकों ने कहा कि अभियान का उद्देश्य किसी एक स्कूल की समस्या तक सीमित नहीं है बल्कि ऐसी व्यवस्था विकसित करना है जिसमें नागरिक स्कूलों की समस्याओं की रिपोर्टिंग में भागीदार बनें और शासन समस्याओं के सामने आने का इंतजार करने के बजाय पहले से उनकी पहचान कर समाधान की दिशा में काम करे।

अभियान के तहत दमोह छतरपुर रायसेन नरसिंहपुर ग्वालियर भिंड बालाघाट सिवनी और भोपाल सहित विभिन्न जिलों के सरकारी स्कूलों का ग्राउंड लेवल असेसमेंट किया गया। इस दौरान स्कूलों के भवन आधारभूत सुविधाओं विद्यार्थियों की संख्या और अन्य समस्याओं को फोटो, वीडियो सहित विभिन्न माध्यमों से दस्तावेजीकृत किया गया।

शिकायत तक सीमित नहीं, समाधान पर जोर

अभियान से जुड़े लोगों ने कहा कि इसका उद्देश्य केवल स्कूलों की समस्याओं को सामने रखना नहीं

मेहरागांव स्कूल को मॉडल के रूप में विकसित करने की पहल

प्रेस कॉन्फ्रेंस में मेहरागांव ग्राम पंचायत की सरपंच और सुकर्मा फउंडेशन की चेयर माया दीदी ने स्कूल की स्थिति और प्रस्तावित समाधान की जानकारी दी। उनके अनुसार उन्होंने करीब 35 वर्ष पहले इसी स्कूल में पढ़ाई की थी और पिछले दो तीन वर्षों से स्कूल की समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास कर रही हैं। मामला नरसिंहपुर जिला प्रशासन से होते हुए भोपाल तक पहुंच चुका है। माया विश्वकर्मा ने मेहरागांव स्कूल को केवल भवन के रूप में नहीं बल्कि जनभागीदारी से विकसित होने वाले मॉडल स्कूल के रूप में तैयार करने की परिकल्पना रखी। इसमें पंचायत अधिभावक शिक्षक नागरिक और शासन की सहभागिता से शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया। अभियान से जुड़े लोगों के मुताबिक माया विश्वकर्मा के नेतृत्व में पंचायत क्षेत्र में आरओफ्ल्टर प्लांट इंडोर स्टेडियम डिजिटल लाइब्रेरी और सीमेंट कंक्रीट सड़कों जैसे विकास कार्य भी किए गए हैं। इसी अनुभव के आधार पर स्कूल को स्थानीय सहयोग और जनभागीदारी का मॉडल बनाने की बात कही गई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एपी सीआर की ओर से जुवेर भाई और उनकी टीम भी मौजूद रही।

त्योहारों में यात्रियों को राहत, तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे बड़े

भोपाल मंडल होकर चलेंगी अतिरिक्त ट्रेनें, अक्टूबर से नवंबर तक मिलेगा लाभ

भोपाल, यश भारत । त्योहारों के दौरान बढ़ने वाले यात्री दबाव को देखते हुए रेलवे ने भोपाल मंडल होकर संचालित तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे फिर बढ़ा दिए हैं। इन ट्रेनों के विस्तारित फेरों से यात्रियों को अतिरिक्त आवागमन सुविधा मिलेगी। इंदौरझुसुबेदारगंज स्पेशल ट्रेन 3 अक्टूबर से 28 नवंबर तक प्रत्येक शनिवार और मंगलवार को चलेगी। वापसी में सुबेदारगंजइंदौर स्पेशल 2 अक्टूबर से 27 नवंबर तक प्रत्येक शुक्रवार और सोमवार को संचालित



होगी। बांद्रा टर्मिनसडङ्ग वीरगंगा लक्ष्मीबाई झांसी स्पेशल 3 अक्टूबर से 28 नवंबर तक प्रत्येक शनिवार को चलेगी। वापसी में यह ट्रेन 1 अक्टूबर से 26 नवंबर तक प्रत्येक गुरुवार को संचालित होगी। इसी तरह उधनाड्डुप्रयागराज स्पेशल 2 अक्टूबर से 30 नवंबर तक प्रत्येक शुक्रवार और सोमवार को चलेगी। वापसी में प्रयागराजडङ्गउधना स्पेशल 1 अक्टूबर से 29 नवंबर तक प्रत्येक गुरुवार और रविवार को संचालित होगी। रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि ट्रेनों के ठहराव, समय-सारणी और कोच संरचना की जानकारी रेलवे की अधिकृत वेबसाइट और रेलवन ऐप पर उपलब्ध है।

वर्ग 2 और वर्ग 3 अभ्यर्थियों के धरने पर शिक्षा मंत्री का जवाब मंत्री बोले- लगातार अभ्यर्थियों से संवाद जारी, कानून में प्रावधान नहीं तो कैसे कर सकते हैं भर्ती

भोपाल यश भारत। वर्ग-2 और वर्ग-3 के अभ्यर्थी शिक्षकों के धरने और भर्ती की मांग को लेकर शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि अभ्यर्थियों और शिक्षकों से लगातार संवाद किया जा रहा है। अधिकारियों के स्तर पर भी उनसे बातचीत जारी है लेकिन जो प्रक्रिया कानून और नियमों के तहत संभव नहीं है उसे पूरा नहीं किया जा सकता। मंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि कोई बच्चा अपने पिता से कहें कि उसे एयरप्लेन चाहिए तो एयरप्लेन घर नहीं आ सकता उसके लिए टिकट लेकर यात्रा करनी होगी। इसी तरह भर्ती की प्रक्रिया में भी निर्धारित नियमों और समय सीमा का पालन करना होता है। उन्होंने कहा कि संबंधित भर्ती की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

पुराने पदों पर तीन साल बाद भर्ती बढ़ाने का सवाल

शिक्षा मंत्री ने कहा कि अब नए अभ्यर्थी पुराने अभ्यर्थियों के साथ इंतजार कर रहे हैं कि भर्ती नहीं निकलेगी और वे उसमें शामिल होकर नौकरी हासिल कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि पूर्व में 2 हजार पदों के लिए विज्ञप्ति जारी हुई भर्ती प्रक्रिया पूरी हुई और वेटिंग लिस्ट भी बनी। ऐसे में तीन साल बाद उन्हीं पदों की संख्या को किस आधार पर बढ़ाया जा सकता है। मंत्री ने इस संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के प्रावधानों का भी हवाला दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जो चीज नहीं हो सकती वह नहीं हो सकती। कानून में जिस चीज का प्रावधान नहीं है उसे सरकार कैसे कर सकती है।

विपक्ष के समर्थन पर मंत्री का जवाब

वर्ग-2 और वर्ग-3 के अभ्यर्थी शिक्षकों के समर्थन में विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दे पर मंत्री ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह वरिष्ठ नेता हैं और वे उनका सम्मान करते हैं। मंत्री के मुताबिक बातचीत के दौरान दिग्विजय सिंह ने कहा था कि सरकार सस्ते शिक्षकों को लगा रही है इसलिए भर्ती नहीं करना चाहती। मंत्री ने कहा कि वे विनम्रता से यह कहना चाहते हैं कि पहले अतिथि शिक्षकों को बहुत कम मानदेय पर रखा जाता था जबकि आज अतिथि शिक्षकों को 15 से 20 हजार रुपये तक दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अतिथि शिक्षकों को 50 प्रतिशत आरक्षण भी दिया जा रहा है।

भूख हड़ताल कर रहे अभ्यर्थी पर भी बोले मंत्री

जब पत्रकार ने पिछले 12-13 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे एक अभ्यर्थी को लेकर सवाल किया तो मंत्री ने कहा कि अधिकारी लगातार उससे बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि सरकार संवाद के लिए तैयार है लेकिन कानून में जिस चीज का प्रावधान नहीं है उसे लागू करना संभव नहीं है।

उच्चदाब उपभोक्ताओं की सेवाएं अब एक विलक पर बिल भुगतान से शिकायत और प्रमाण पत्र डाउनलोड तक, एक ही मंच पर मिलेगी सुविधा

भोपाल, यश भारत। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उच्चदाब उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए एकल लॉगिन सेवा शुरू की है। इसके तहत उपभोक्ता एक ही डिजिटल मंच के माध्यम से बिल भुगतान सहित विभिन्न विद्युत सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। इसके लिए कंपनी ने उच्चदाब उपभोक्ता एकल लॉगिन एवं सेवा पोर्टल विकसित किया है। इस सुविधा के जरिए उपभोक्ता एक ही लॉगिन पहचान या पंजीकृत मोबाइल नंबर और पासवर्ड से पोर्टल पर उपलब्ध विभिन्न सेवाओं का उपयोग कर सकेंगे। उपभोक्ताओं को बिल भुगतान भुगतान की रसीद तथा पिछले 12 माह के बिल और भुगतान संबंधी विवरण डाउनलोड करने की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही हरित ऊर्जा प्रमाण पत्र फॉर्म 16 टीडीएस प्रमाण पत्र और मीटर रीडिंग का विवरण भी ऑनलाइन डाउनलोड किया जा सकेगा। उपभोक्ता अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर के अलावा नया मोबाइल नंबर जोड़ने और ई मेल पता अपडेट करने की सुविधा का भी उपयोग कर सकेंगे। बिल अथवा बिजली आपूर्ति से संबंधित शिकायतें भी अब पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज की जा सकेंगी। इसके अलावा उच्चदाब कनेक्शन में स्वीकृत भार में परिवर्तन और नाम परिवर्तन जैसी सेवाओं के लिए भी ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा।

गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए 98 फायर कर्मी तैनात

भोपाल, यश भारत । अनंत चतुर्दशी पर गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए नगर निगम ने शहर के सात प्रमुख घाटों पर व्यापक इंतजाम किए हैं। यहां 13 क्रैन, 12 पोकलेन मशीनें, 184 गोताखोर और 98 फायरकर्मी तैनात किए गए हैं। घाटों पर जीवन रक्षक उपकरण और बचाव दल भी मौजूद हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शहर के 29 प्रमुख स्थानों पर प्रतिमा संग्रहण केंद्र बनाए गए हैं। यहां से प्रतिमाओं को वाहनों के जरिए विसर्जन स्थलों तक पहुंचाया जा रहा है। घाटों और चल समारोह मार्गों पर 1665 एलईडी फ्लड लाइटें लगाई गई हैं। सभी घाटों पर नियंत्रण कक्ष बनाए गए हैं। निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने अधिकारियों को विसर्जन पूरा होने तक सुरक्षा, सफाई और अन्य व्यवस्थाएं बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

न्यू मार्केट से लालघाटी तक चला अभियान तीन ठेले जख्त

भोपाल, यश भारत । नगर निगम ने गुरुवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाकर ठेले, गुमटियां, पान पालर, काउंटर, बोर्ड और दुकानों के बाहर रखा सामान हटाया। कार्रवाई सूरज नगर, न्यू मार्केट, एमपी नगर, अशोका गार्डन, शाहजहांनबाद, छोला, लालघाटी, कोलार सहित कई क्षेत्रों में की गई। लालघाटी से एक फास्ट फूड गाड़ी, अशोका गार्डन से दो लोडिंग ऑटो और शाहजहांनबाद से छह चार पहिया वाहन हटाए गए। छोला से भी दो वाहन हटाए गए। अमराई में नाली पर किया गया अतिक्रमण और अवधपुरी में सड़क पर रखी निर्माण सामग्री हटाई गई। कार्रवाई के दौरान तीन ठेले जख्त किए गए। निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर अतिक्रमण के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

मतदाता सूची में बदलावों पर कांग्रेस का सवाल पटवारी बोले जनता के सवालों का जवाब देना होगा



28 सितंबर को भोपाल में राज्य निर्वाचन आयोग का घेराव, 29 को जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन

भोपाल, यश भारत। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर कांग्रेस निर्णायक आंदोलन करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले करीब दो वर्षों से राहुल गांधी लोकतंत्र मतदाता अधिकार और वोट चोरी से जुड़े सवाल उठा रहे हैं। पटवारी ने कहा कि मध्यप्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची में हुए बदलावों का विधानसभा और बुधवार विवरण सार्वजनिक किया जाना चाहिए। पटवारी के अनुसार दिसंबर 2025 की ड्राफ्ट प्रक्रिया में 42,74,160 नामों से संबंधित जानकारी या फॉर्म उपलब्ध नहीं होने की बात

सामने आई थी। फरवरी 2026 की अंतिम सूची में 5,39,81,065 मतदाता दर्ज हुए और रिपोर्टेड आंकड़ों के मुताबिक 34,25,078 नाम हटाए गए। कांग्रेस का सवाल है कि हटाए गए नामों के कारण, सत्यापन प्रक्रिया और बाद में जोड़े गए नामों का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदाता को यह जानने का अधिकार है कि उसका नाम सूची में है या नहीं और हटाया गया है तो उसका कारण क्या है। कांग्रेस ने चुनाव आयोग की स्वतंत्रता मतदाता सूची की पारदर्शिता से जुड़े सवालों पर भी जवाब मांगा। पटवारी ने घोषणा की कि 28 सितंबर को भोपाल में राज्य निर्वाचन आयोग का घेराव और 29 सितंबर को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर कलेक्टर कार्यालयों का घेराव किया जाएगा। कांग्रेस ने निष्पक्ष जांच वास्तविक मतदाताओं के नाम पुनः जोड़ने और दोष सिद्ध होने पर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

दिव्यांग चयनित प्राथमिक शिक्षकों ने नियुक्ति आदेश जारी करने की मांग की

भोपाल यश भारत । प्राथमिक शिक्षक भर्ती में चयनित दिव्यांग अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश मानवाधिकार आयोग, स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव और लोक शिक्षण संचालनालय के आयुक्त को पत्र भेजकर नियुक्ति आदेश तत्काल जारी करने की मांग की है। अभ्यर्थियों ने नियुक्ति प्रि्र या में भेदभाव और दोबारा दिव्यांगता परीक्षण के नाम पर मानसिक एवं प्रशासनिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

अभ्यर्थियों का कहना है कि भर्ती में चयनित दिव्यांग अभ्यर्थियों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र और यूडीआईडी कार्ड समेत आवश्यक दस्तावेजों का भौतिक सत्यापन पहले ही पूरा हो चुका है। उनके अनुसार, ये प्रमाण पत्र जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी किए गए हैं और लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा भी सत्यापन करया जा चुका है। गैर-दिव्यांग अभ्यर्थियों के आदेश जारी, दिव्यांगों के रोके- पत्र में आरोप लगाया गया है कि इसी भर्ती प्रक्रिया में अन्य गैर-दिव्यांग अभ्यर्थियों के नियुक्ति आदेश जारी कर दिए



गए हैं, जबकि दिव्यांग अभ्यर्थियों के आदेश रोक दिए गए हैं। अभ्यर्थियों ने यह भी दावा किया है कि इसी संयुक्त भर्ती प्रक्रिया के तहत आदिम जाति कल्याण विभाग में चयनित दिव्यांग अभ्यर्थियों को बिना अतिरिक्त दिव्यांगता परीक्षण के नियुक्ति दी गई है। उन्होंने इसे दोहरी नीति बताते हुए समानता के अधिकार से जोड़कर शिकायत दर्ज कराई है।

दोबारा जांच के लिए अस्पतालों के चक्कर

अभ्यर्थियों के अनुसार, लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा दिव्यांगता के पुनः परीक्षण के लिए उन्हें जय प्रकाश अस्पताल भेजा जा रहा है। वहां से कुछ अभ्यर्थियों को एम्स भोपाल और अन्य अस्पतालों में रेफ

कहा- सत्यापन पूरा होने के बावजूद रोके आदेश, दोबारा जांच के नाम पर मानसिक और आर्थिक परेशानी

किए जाने की बात कही गई है। पत्र में दावा किया गया है कि कई जगह जांच के लिए एक से तीन महीने तक का समय दिया जा रहा है या जांच उपकरण खराब होने की जानकारी दी जा रही है। इससे नियुक्ति प्रक्रिया में देरी हो रही है।

मानवाधिकार आयोग से हस्तक्षेप की मांग

अभ्यर्थियों ने दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 (RPwD Act) और मानवाधिकारों का हवाला देते हुए कहा है कि बार-बार जांच के कारण उन्हें मानसिक तनाव, शारीरिक परेशानी और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। सुदूर जिलों से भोपाल आने-जाने में दिव्यांग अभ्यर्थियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। अभ्यर्थियों ने मांग की है कि पुनः दिव्यांगता परीक्षण की प्रक्रिया में तत्काल शिथिलता दी जाए और चयनित सभी दिव्यांग अभ्यर्थियों के नियुक्ति आदेश तत्काल जारी किए जाएं।



दफ्तर छोड़ खेतों में पहुंचे अफसर: फसल प्रदर्शन का मुआयना



किसानों को मिले लागत घटाने के गुर

डिंडोरी यशभारत |कलेक्टर के निर्देशन में कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के तहत कृषकों को वितरित बीज, फसल प्रदर्शन एवं फसलों की वर्तमान स्थिति का जायजा लेने के लिए जिले में लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में उपसंचालक कृषि के मार्गदर्शन में प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी कृषि कृष्ण कुमार चौहान एवं सहायक संचालक कृषि डॉ. नेहा धुरिया के नेतृत्व में निरीक्षण दल ने विकासखंड करंजिया एवं बजाग के विभिन्न ग्रामों में कृषकों के खेतों का

निरीक्षण किया। दल ने भलखोहा रैयत, गोरखपुर, रूसा, बरबसपुर, देवरी, परसेल माल, बजाग, भिलनिया, झिंझरी एवं मझियाखार सहित अन्य ग्रामों में फसलों की स्थिति, फसल प्रदर्शन एवं कृषि गतिविधियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन एवं राष्ट्रीय मिशन ऑन एडिबल ऑयल्स-तिलहन अंतर्गत वितरित बीजों तथा सोयाबीन एवं धान फसल प्रदर्शन का अवलोकन किया गया। अधिकारियों ने चयनित कृषकों के खेतों में फसलों के अंकुरण, पौधों की वृद्धि, फसल प्रबंधन एवं संभावित उत्पादन की स्थिति का आकलन किया। सोयाबीन में अंकुरण से संबंधित

समस्याओं का भी स्थल निरीक्षण किया गया। कृषकों से प्रत्यक्ष संवाद कर फसल उत्पादन में आ रही व्यवहारिक समस्याओं की जानकारी ली गई तथा आवश्यक कृषि तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करते हुए यथासंभव समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया गया। कृषकों को वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों एवं उन्नत तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

कृषि चौपाल व प्रक्षेत्र दिवस

विकासखंड करंजिया के ग्राम बरगांव में कृषि चौपाल तथा विकासखंड बजाग के ग्राम भिलानिया में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान कृषकों से बीज की समय पर उपलब्धता, अनुशंसित किस्मों के चयन, बुवाई का उचित समय, बीज दर, कतार दूरी, अंकुरण, पौधों की वृद्धि एवं फसल प्रबंधन सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा कर तकनीकी मार्गदर्शन दिया गया। निरीक्षण दल ने विभागीय योजनाओं के अंतर्गत फसल प्रदर्शनों की वास्तविक स्थिति के निष्पक्ष आकलन के लिए यादृच्छिक रूप से कृषकों का चयन कर औचक निरीक्षण भी किया। खेतों की वास्तविक परिस्थितियों के आधार पर कृषकों को उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने, कृषि लागत कम करने तथा वैज्ञानिक फसल प्रबंधन अपनाने के संबंध में आवश्यक सुझाव दिए गए।

एकीकृत शासकीय हाई स्कूल बिड़िया में उत्साहपूर्वक मनाया गया उमंग दिवस



मंडला, यशभारत।एकीकृत शासकीय हाई स्कूल बिड़िया, मंडला में उमंग दिवस का आयोजन उत्साह एवं सहभागिता के साथ किया गया। कार्यक्रम प्राचार्य श्री मुकेश कुमार पांडे के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। इस अवसर पर राज्य स्तर से श्री मुकेश रावत एवं श्रीमती परिणीता सिंह, थाना प्रभारी श्रीमती पूजा नाथ सहित पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, नोडल शिक्षक श्रीमती गायत्री शुक्ला, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ पूजन एवं स्वागत के साथ हुआ। विद्यार्थियों को जीवन कौशल, भावनाओं की समझ, तनाव की पहचान एवं उससे निपटने के उपायों की जानकारी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से दी गई। विद्यार्थियों ने रोल प्ले के माध्यम से प्रभावी संदेश प्रस्तुत किए। साथ ही अपने भविष्य के सपनों और रुचियों को व्यक्त करने के लिए ड्रीम

कैचर तैयार किए, जिनमें डॉक्टर, आईएएस, आईपीएस एवं वकील बनने की आकांक्षाएं प्रदर्शित की गईं। डॉ. आर्या पांडे ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य एवं स्वस्थ दिनचर्या के संबंध में जानकारी दी। सब इम्पेक्टर श्रीमती पूजा नाथ ने पॉक्सो एक्ट, साइबर क्राइम एवं ऑनलाइन सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। श्रीमती परिणीता सिंह ने विद्यार्थियों से संवाद कर सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्रश्न पेटी भी स्थापित की गई। ड्रीम कैचर, विजय एवं विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट सहभागिता करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। जीवन कौशल आधारित पोस्टरों एवं ड्रीम कैचर से तैयार सेल्फी प्वाइंट आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने उमंग एंथम उत्साहपूर्वक गाया। मंच संचालन श्रीमती गायत्री शुक्ला ने किया।

11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित

आयुष्मान भारत योजना बनी उम्मीद की किरण



अस्पताल में उपचार एवं ऑपरेशन कराया गया। उपचार के बाद अब उनकी स्थिति में सुधार है और वे स्वयं चलने में सक्षम हैं। हरेसिंग टेकाम ने आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से मिले उपचार के लिए शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि योजना उनके लिए मुश्किल समय में उम्मीद की किरण बनी। उन्होंने निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराने के लिए शासन को धन्यवाद दिया।

मंडला, यशभारत।सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंद परिवारों के लिए उम्मीद की किरण बन रही हैं। आयुष्मान भारत योजना का लाभ मिलने से घोड़ाडीह निवासी श्री हरेसिंग टेकाम, पिता श्री छोटे लाल टेकाम, उम्र 45 वर्ष, को घुटने में दर्द एवं पैर मोड़ने में हो रही परेशानी से राहत मिली है। हरेसिंग टेकाम पिछले लगभग दो वर्षों से घुटने की समस्या से परेशान थे। दर्द और चलने-फिरने में कठिनाई के कारण उन्हें दैनिक कार्यों में भी परेशानी का सामना करना पड़ता था। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से उनका भोपाल स्थित

11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित



जागरूक किया गया। साथ ही औषधीय पौधों के उपयोग एवं उनके संरक्षण की जानकारी देते हुए औषधीय पौधों का पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श उपलब्ध कराना रहा।

मंडला, यशभारत।11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयुष विभाग मंडला के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत सालहेगठौरी में एक दिवसीय वृहद निःशुल्क आयुर्वेद स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, जन-जागरूकता कार्यक्रम एवं औषधीय पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन शासकीय आयुर्वेद औषधालय चाबी द्वारा किया गया। शिविर में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. नागेन्द्र कुमार ने ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति, स्वास्थ्य जीवनशैली एवं रोगों की रोकथाम के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। इस दौरान औषधालय स्टाफ गीता परस्ते एवं उर्शिला मरावी ने भी स्वास्थ्य सेवाओं में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को दैनिक जीवन में आयुर्वेद के महत्व, संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या तथा प्राकृतिक उपचार पद्धतियों के प्रति

कलेक्टर ने वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता पर दिया जोर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की 113वीं वार्षिक आमसभा सम्पन्न

मंडला, यशभारत।जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित मंडला की 113वीं वार्षिक आमसभा का आयोजन केंद्रीय कार्यालय में किया गया। आमसभा में कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक श्री राहुल नामदेव थोटे, डीडीएम नाबाई श्री देवव्रत पॉल, सहकारी बैंक की सीईओ सुश्री साक्षी पंद्राम सहित बैंक की समस्त शाखाओं के प्रबंधक, सहकारी समितियों के प्रबंधक एवं माननीय सभासदगण उपस्थित रहे। आमसभा को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री थोटे ने



जिला सहकारी बैंक को ग्रामीण और कृषि विकास की रीढ़ बताया। उन्होंने कहा कि

बैंक को आम जनता और किसानों के प्रति अधिक जवाबदेह और पारदर्शी बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने बैंक प्रबंधन को कड़े वित्तीय अनुशासन का पालन करने, वित्तीय अनियमितताओं को शून्य करने और शासकीय योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति तक समय पर पहुंचाने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने डिजिटल बैंकिंग और आधुनिक तकनीकों को अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों के खाताधारकों को भी त्वरित और सुलभ

बैंकिंग सेवाएं मिल सकेंगी। उन्होंने बैंक की प्रगति की सराहना करते हुए ऋणों की समय पर वसूली और समिति स्तर पर पारदर्शिता सुनिश्चित कर संस्था को राज्य में पुनः शीर्ष स्थान पर लाने का संकल्प दोहराया। आमसभा में सीईओ सुश्री साक्षी पंद्राम ने पिछले वित्त वर्ष 2024-25 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। वित्त वर्ष 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली शाखाओं और समितियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

जल जीवन मिशन : बीजाडांडी में दस्तावेज एवं लेखा प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित



बीजाडांडी/नारायणगंज। जल जीवन मिशन के अंतर्गत मध्य प्रदेश जल निगम एवं परियोजना कियान्वयन इकाई (PIU) मंडला द्वारा नारायणगंज-बीजाडांडी ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना के तहत जनपद पंचायत बीजाडांडी में दस्तावेजीकरण एवं लेखा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव एवं ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति (इकाई) के सदस्यों को दस्तावेजों एवं अभिलेखों के व्यवस्थित संधारण का प्रशिक्षण दिया गया।

सरपंच, सचिव एवं VWSC सदस्यों को रिकॉर्ड संधारण और OHT अनुबंध की दी गई विस्तृत जानकारी

कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद पंचायत निरीक्षक, बरगांव एवं देवरी के सरपंच तथा PHE से प्रशिक्षक नरेश कुमार सोनवानी द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यशाला में PIU मंडला की प्रबंधक जनसहभागिता श्रीमती सुशीला मरावी सहित सरपंच, सचिव, VWSC सदस्य तथा दूरू श्री जैन विद्यासागर एजुकेशनल समिति के परियोजना प्रबंधक निशांत अग्रवाल, प्रोजेक्टर ऑपरेटर दीपिका एवं कम्युनिटी मोबिलाइजर अशोक पड़वार, कैलाश वरकडे, परमुलाल पंदे, राधेश्याम मरावी एवं दुर्गाश रजक उपस्थित रहे। कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों को लेखा प्रशिक्षण से संबंधित फोल्डर वितरित किए गए। ISA की ओर से पावर प्रेजेंटेशन के माध्यम से नारायणगंज-बीजाडांडी ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने परियोजना से संबंधित सुझाव एवं आवश्यक निर्देश भी दिए। PIU से प्रबंधक जनसहभागिता नरेश कुमार सोनवानी ने प्रतिभागियों को परियोजना को सफल बनाने के लिए लेखा संधारण की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही OHT (ओवरहेड टैंक) एग्रीमेंट के संबंध में विस्तार से बताया गया तथा जिन ग्रामों में पेयजल का ट्रायल रन प्रारंभ होना है, वहां जल्द से जल्द आवश्यक अनुबंध प्रक्रिया पूर्ण कराने के लिए प्रेरित किया गया। ISA के परियोजना प्रबंधक निशांत अग्रवाल ने सरपंच, समिति अध्यक्ष, सचिव एवं VWSC सदस्यों को Record Keeping के महत्व और प्रक्रिया की जानकारी दी। पावर प्रेजेंटेशन के माध्यम से ग्राम जल एवं स्वच्छता तदर्थ समिति द्वारा संधारित किए जाने वाले सात प्रकार के रिकॉर्ड को एक-एक कर समझाया गया। कार्यशाला का उद्देश्य जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को प्रभावी बनाने के साथ-साथ ग्राम स्तर पर दस्तावेजीकरण, लेखा संधारण एवं जनभागीदारी को मजबूत करना रहा।

वन विभाग परिसर में तरु मित्र फाउंडेशन ने रोपे सात पौधे

नारायणगंज। तरु मित्र सोशल फाउंडेशन सोसायटी द्वारा हर गुरुवार पौधारोपण अभियान के तहत गुरुवार को वन विभाग टिकरिया के परिसर में वृक्षारोपण किया गया। रंजर मयंक उपाध्याय की मौजूदगी में फाउंडेशन के सदस्यों ने अशोक एवं गुलमोहर के सात पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर रंजर मयंक उपाध्याय ने पौधारोपण के महत्व एवं पौधों की देखभाल संबंधी जानकारी दी तथा फाउंडेशन के इस प्रयास की सराहना करते हुए सदस्यों को बधाई दी। फाउंडेशन सदस्यों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लिया। पौधारोपण कार्यक्रम में अभिलाष शर्मा, आलोक साहू, ब्रजेश सिंगरोरे, शुभम जैन, सतीश सिंगरोरे, धर्मेन्द्र अग्रवाल, अमित सिंगरोरे, अमर मरावी, सोमनाथ चक्रवर्ती, अजय पंचेश्वर, रामकिशोर सिंगरोरे, जितेंद्र श्रीवास सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। फाउंडेशन द्वारा प्रत्येक गुरुवार को नियमित रूप से विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है।



सेवा की कहानी पीएमएफएमई योजना से अर्पित पांजरे बने आत्मनिर्भर दुग्ध प्रसंस्करण से आय तीन गुना

मंडला, यशभारत।जिले के ग्राम देवदर निवासी श्री अर्पित पांजरे ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना का लाभ लेकर अपने छोटे डेयरी व्यवसाय को आधुनिक दुग्ध प्रसंस्करण इकाई में बदल दिया है। योजना के सहयोग से आज वे पांजरे फार्मस मिल्क एंड मोर नाम से मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट का सफल संचालन कर रहे हैं। योजना से जुड़ने से पहले अर्पित केवल एक छोटी डेयरी दुकान संचालित करते थे। लगभग 50 हजार रुपये की लागत वाले इस व्यवसाय से उन्हें करीब 30 हजार रुपये मासिक आय होती थी, जिसमें खर्च के बाद लगभग 20 हजार रुपये शुद्ध आय बचती थी। व्यवसाय को विस्तार देने के उद्देश्य से अर्पित ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत आवेदन किया। उनकी परियोजना की कुल लागत 9 लाख 92 हजार 300 रुपये रही, जिसमें योजना के तहत उन्हें 3 लाख 47 हजार 305 रुपये की अनुदान राशि प्राप्त हुई। आर्थिक सहायता और विभागीय मार्गदर्शन से उन्होंने दुग्ध प्रसंस्करण की



आधुनिक इकाइयां स्थापित कीं। आज श्री अर्पित की मासिक आय बढ़कर करीब 90 हजार रुपये हो गई है। खर्चों के बाद उन्हें लगभग 60 हजार रुपये प्रतिमाह शुद्ध आय प्राप्त हो रही है। इस तरह उनकी शुद्ध मासिक आय 20 हजार रुपये से बढ़कर 60 हजार

रुपये हो गई है। श्री अर्पित बताते हैं कि सरकारी योजना, वित्तीय सहायता और सही मार्गदर्शन ने उनके व्यवसाय को नई दिशा दी। वे प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि योजनाओं का लाभ लेकर ग्रामीण युवा

स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बन सकते हैं। श्री अर्पित पांजरे की कहानी यह दर्शाती है कि सरकारी योजनाओं का सही उपयोग, मेहनत और उद्यमशीलता ग्रामीण युवाओं के लिए आर्थिक आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बन सकती है।

महाभियोग की चर्चा और चुनाव आयोग की स्वतंत्रता

महाभियोग की सियासत से आगे, सवाल चुनाव आयोग की स्वतंत्रता का चुनाव आयोग के भीतर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सामने आई कथित असहमति ने देश की चुनावी व्यवस्था को लेकर नई बहस छेड़ दी है। रिपोर्टों के अनुसार चुनाव आयुक्तों के बीच एसआईआर को लेकर मतभेद सामने आए हैं। इसी के बाद विपक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग की मांग उठाई है। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच यह समझना जरूरी है कि मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाना किसी सामान्य प्रशासनिक फैसले जैसा नहीं है। इसके लिए संविधान ने बेहद कठिन और लंबी प्रक्रिया तय की है।

मुख्य चुनाव आयुक्त कोई सामान्य सरकारी पद नहीं है। निर्वाचन आयोग को संविधान ने स्वतंत्र संस्था के रूप में स्थापित किया है, ताकि चुनाव प्रक्रिया सरकार या किसी राजनीतिक दल के दबाव से प्रभावित न हो। इसी उद्देश्य से संविधान के अनुच्छेद 324(5) में मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने के लिए विशेष सुरक्षा दी गई है। उन्हें सरकार सीधे बर्खास्त नहीं कर सकती। यहाँ ‘महाभियोग’ शब्द को लेकर भी स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है। संवैधानिक रूप से मुख्य चुनाव आयुक्त के मामले में ‘महाभियोग’ नहीं, बल्कि ‘निष्कासन’ की प्रक्रिया का प्रावधान है। संविधान के अनुच्छेद 61 में महाभियोग शब्द राष्ट्रपति को हटाने के संदर्भ में इस्तेमाल किया गया है। हालांकि राजनीतिक और सार्वजनिक विमर्श में मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की इस प्रक्रिया को भी महाभियोग कहा जाता है।

मुख्य चुनाव आयुक्त को केवल साबित कदाचार या अक्षमता के आधार पर हटाया जा सकता है। महज किसी फैसले पर असहमति, राजनीतिक आलोचना या आरोप लाना पर्याप्त नहीं है। आरोपों की जांच और उनके साबित होने के बाद ही संसद की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है।

लोकसभा में प्रस्ताव लाने के लिए कम से कम 100 सांसदों और राज्यसभा में कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं। प्रस्ताव स्वीकार होने के बाद आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की जाती है। यदि समिति आरोपों को साबित मानती है तो संसद में प्रस्ताव पर विचार होता है। दोनों सदनों में विशेष बहुमत से प्रस्ताव पारित होना जरूरी है। इसके बाद ही राष्ट्रपति के स्तर पर निष्कासन की प्रक्रिया पूरी होती है। यहीं स्पष्ट होता है कि महाभियोग की मांग करना और वास्तव में किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाना दो बिस्कुल अलग बातें हैं। राजनीतिक बयान देना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन संवैधानिक कसौटियों को पार करना बेहद कठिन। भारत में अब तक किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को इस प्रक्रिया के जरिए पद से नहीं हटाया गया है।इसलिए चुनाव आयोग के भीतर मतभेदों की खबरों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए, लेकिन किसी निष्कर्ष तक पहुंचने से पहले आरोपों की जांच और प्रमाण जरूरी हैं। चुनाव आयोग की स्वतंत्रता लोकतंत्र की बुनियादी शर्त है, लेकिन स्वतंत्रता का अर्थ जवाबदेही से मुक्ति भी नहीं हो सकता। जरूरत ऐसी व्यवस्था की है जिसमें आरोपों की निष्पक्ष जांच हो, निर्णयों में पारदर्शिता रहे और राजनीतिक विवादों के बावजूद निर्वाचन आयोग की संस्थागत विश्वसनीयता कायम रहे।महाभियोग की राजनीति से बड़ा सवाल यही है कि चुनाव आयोग पर जनता का भरोसा कैसे मजबूत रहे। लोकतंत्र में संस्था की स्वतंत्रता और उसकी जवाबदेही—दोनों साथ चलनी चाहिए।



मेघ उत्साहित आनंद भरा दिन रहेगा परिवार का पूरा सहयोग मिलता दिख रहा है। कोर्ट कचहरी धाने से दूर रहे।	वृष कल और संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा घर में मांगलिक कार्य आयोजित हो सकते हैं।
मिथुन कारोबार में तरक्की की योग बनते दिख रहे हैं। खर्चों की अधिकता बनी रहेगी।	कर्क अस्त व्यस्त दिनचर्या को सुधारने की जरूरत है योग प्राणायाम करके स्वास्थ्य लाभ में सुधार होगा।
सिंह जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी।	कन्या प्रोफेशनल लाइफ में छोटी-मोटी दिक्कतें हो सकती हैं। अपने बुद्धि विवेक से समस्याओं का हल निकालें।
तुला सुख सुविधाओं के संसाधन की खरीदारी कर सकते हैं। उत्साह पूर्वक दिन व्यतीत करेंगे। व्यतीत करेंगे।	वृश्चिक आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। नौकरी में तरक्की मिलने की योग बनते दिख रहे हैं।
धनु रिश्तों में चल रही दिक्कतों को समझदारी से सुलझाने की कोशिश करें। कोथ से बचना होगा।	मकर वाणी पर नियंत्रण रखते हुए कार्य करें। बिना सोचे विचारें किसी भी निर्णय में न पहुंचें।
कुंभ आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। नए कार्य की शुरुआत के लिए दिन अच्छा है।	मीन सामाजिक पद पंजिहा में वृद्धि होगी। घर वालों का पूरा सहयोग रहेगा।

‘अपना काम स्वयं करें’ सिद्धांत के प्रवर्तक ईश्वरचंद्र विद्यासागर नारी शिक्षा के प्रबल समर्थक थे, जिन्होंने सदैव लोगों को अपने क्रियाकलापों के माध्यम से स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की सीख दी। भारतीय इतिहास में उन्हें एक महान शिक्षक, फिलॉसोफर और समाज सुधारक जैसे कई रूपों में याद किया जाता है। अपने सादा जीवन, निडर स्वभाव, आत्म-बलिदान की भावना, शिक्षा के प्रति समर्पण और दलितों के हित के लिए किए गए कार्यों के कारण ईश्वरचंद्र विद्यासागर पूरी दुनिया के लिए एक महान व्यक्ति बन गए थे। संस्कृत कॉलेज में उन्होंने आधुनिक पश्चिमी विचारों के अध्ययन की शुरुआत की और तथाकथित निचली जातियों के छात्रों को संस्कृत का अध्ययन करने के लिए प्रवेश दिया। संस्कृत भाषा और दर्शन में अगाध ज्ञान होने के कारण उनकी महान विद्वता के लिए कलकत्ता के संस्कृत कॉलेज, जिसके बाद में वे कुछ वर्षों तक प्रिंसिपल भी रहे, ने ही उन्हें विद्यार्थी जीवन में ही ‘विद्यासागर’ की उपाधि से सम्मानित किया था। उन्होंने संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए जीवन पर्यंत प्रयास किया। बांग्ला भाषा के गद्य को सरल और आधुनिक बनाने का उनका कार्य भी सदैव याद किया जाएगा। उन्होंने बांग्ला लिपि की वर्णमाला को सरल और तर्कसम्मत बनाया तथा बांग्ला पढ़ने के लिए सैंकड़ों विद्यालय स्थापित किए और रात्रि पाठशालाओं की भी व्यवस्था की।

नारी शिक्षा के लिए तो ईश्वरचंद्र ने व्यापक जनान्दोलन खेा किया ही था, उन्हीं के निरंतर प्रयासों और दृ?संकल्प की बदौलत ही वर्ष 1856 में ब्रिटिश शासनकाल में अंग्रेज सरकार विधवा पुनर्विवाह कानून पारित करने को विवश हुई थी, जिसके बाद भारतीय समाज में विधवाओं को नए सिरे से जीवन की

छात्रों की आत्महत्या के असल जिम्मेदार कौन?

आईआईटी मुंबई में एक छात्र की आत्महत्या ने फिर से कई पुराने सवाल खड़े कर दिये हैं लेकिन हम हैं कि असल मुद्दे छोड़कर लेकर पीटने में मशगूल हैं। जैसे नीट पेपर लोक में मंत्री के इस्तीफे को सारी समस्या का इलाज समझ लिया गया था वैसे ही इस प्रकरण में प्रोफेसर के इस्तीफे की मांग की जा रही है। एपसी/एसटी एक्ट के अताकिंक लेकिन डरावने प्रावधानों के तहत प्रोफेसर के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कर दी गयी है। समर्थन और विरोध में प्रदर्शन हो रहे हैं और सोशल मीडिया भी अच्छी बुरी प्रतिक्रियाओं से सराबोर है। गम्भीर सामाजिक समस्या को राजनीतिक रंग देकर भी?तंत्र के हवाले कर देना आज के दौर में एक परम्परा हो गया है। यह अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम बार बार असल समस्या को नजरअंदाज करके शूतुरमुर्ग की तरह रेत में सर छिपाये हुये हैं।

ऑन परपज नाम का पॉडकास्ट चलाने वाले विश्वप्रसिद्ध मॉडिवेशनल स्पीकर जय शेंड्री अपनी बेस्टसेलर किताब थिंक लाइक अ मॉन्क में लिखते हैं कि आम तौर पर बच्चों को दो तरह के झुट सुनना पड़ता है। या तो यह कि; तुम जीवन में कुछ नहीं बन सकते या फिर यह कि; तुम जीवन में जो चाहो बन सकते हो। जबकि वास्तविकता यह है कि कोई भी वह नहीं बन सकता जो वो चाहता है लेकिन वह जरूर बन सकता है जो वो है। ये झुट भारतीय समाज के अधिकांश परिवारों पर पूरी तरह फिट बैठते हैं और अक्सर बच्चों से उनकी क्षमता से बहुत ज्यादा उम्मीद की जाती है। उपभोक्तावाद से ग्रस्त समाज में यह समझा जाता है कि महंगी कोचिंग के दम पर बच्चा जो चाहे वह बन सकता है। इस त्रासदी का एक दुखद पहलू यही है कि विरले मातापिता ही बच्चों को नैतिकता, नागरिक जिम्मेदारी, समाजसेवा, देशप्रेम तथा परोपकार की शिक्षा देते हैं। अधिकांश मातापिता की महत्वाकांक्षा बच्चे के आईआईटी अथवा मेडीकल कॉलेज में दाखिले की होती है क्योंकि इन दो व्यवसायों से प्रतिष्ठ और पैसा दोनों ही हासिल होते है।

भारतीय सिस्टम में करियर चुनाव के लिये कोई स्थापित प्रक्रिया नहीं है इसलिए अक्सर मातापिता की महत्वाकांक्षा और समाज की तत्कालीन अपेक्षा ही करियर निर्धारित करती है। जबकि वास्तव में किसी भी बच्चे

परमाणु ताकत में रूस दुनिया मे सबसे आगे, भारत बना रहा है डिलेवरी सिस्टम को आधुनिक

दुनिया में बदलते सामरिक समीकरणों, बढ़ते तनाव और कई क्षेत्रों में जारी संघर्षों के बीच परमाणु हथियार आज भी राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक प्रतिरोधक क्षमता का महत्वपूर्ण हिस्सा बने हुए हैं। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट यानी एसआईपीआरआई की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2026 तक दुनिया के नौ परमाणु हथियार संभ्र संशोधन के पास अनुमानित 12,187 परमाणु हथियार थे। इनमें करीब 9,745 हथियार सैन्य भंडार में संभावित इस्तेमाल के लिए उपलब्ध माने गए हैं। लगभग 4,012 परमाणु हथियार मिसाइलों और परिचालन वाले विमानों के साथ तैनात थे। जनवरी 2025 की तुलना में यह संख्या करीब 100 अधिक है। एसआईपीआरआई के अनुसार 2,100 से 2,200 परमाणु हथियार बैलैलिस्टिक मिसाइलों पर उच्च परिचालन सतर्कता की स्थिति में थे और इनमें लगभग सभी रूस तथा अमेरिका के थे। रूस और अमेरिका के पास सबसे बड़ा परमाणु जखीरा परमाणु हथियारों की संख्या के मामले में रूस सबसे आगे है। एसआईपीआरआई के अनुमान के अनुसार रूस के पास करीब 5,420 और अमेरिका के पास करीब 5,042 परमाणु हथियार हैं। दोनों देशों के पास मिलाकर दुनिया के सैन्य परमाणु भंडार का करीब 83 प्रतिशत हिस्सा है। इसके बाद चीन करीब 620 परमाणु हथियारों के साथ तीसरे स्थान पर है। फ्रांस के पास करीब 370 और ब्रिटेन के पास करीब 225 परमाणु हथियार होने का अनुमान है। भारत करीब 190 के साथ छठे और पाकिस्तान करीब 170 के साथ सातवें स्थान पर है। इजराइल के पास करीब 90 और उत्तर कोरिया के पास करीब 60 परमाणु हथियार होने का अनुमान है।

इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि परमाणु शक्ति का वैश्विक संतुलन अभी भी मुख्य रूप से रूस और अमेरिका के इर्द-गिर्द केंद्रित है। हालांकि चीन की दिशा भी महत्वपूर्ण हो गई है। एसआईपीआरआई के अनुसार चीन अपने



शुरूआत कर सम्मान के साथ जीने का अधिकार प्राप्त हुआ था। दरअसल उस समय हिंदू समाज में विधवाओं की स्थिति काफी चिंताजनक थी। 1820 में जिस समय वह बंगाल में पैदा हुए थे, उन दिनों समाज में अनेक कुरीतियां ज? जमाई हुई थी, जिनमें एक थी विधवा होने वाली महिलाएं या सती होने के लिए बाध्य की जाती थी या फिर उनका वैधव्य जीवन बेहद उपेक्षित और दयनीय स्थिति में बीतता था। ईश्वर चंद्र ही वह शख्सियत थे, जिन्होंने तमाम विरोधों के बाद भी न केवल बंगाल में विधवाओं का विवाह कराया बल्कि

छात्रों की आत्महत्या के असल जिम्मेदार कौन?



का करियर तीन बुनियादी प्रश्नों से तय किया जाना चाहिये। पहला; वह क्या बनना चाहता है, दूसरा; वह क्या बन सकता है और तीसरा; वह क्या बनने के काबिल है? चूंकि हमारे समाज बच्चों में मौलिक सोच विकसित होने की गुंजाइश कम होती है इसलिए वह आसानी से बाहरी दुनिया से प्रभावित हो जाता है। नतीजा यह कि अक्सर पहले प्रश्न के पीछे साधियों का सोच और तत्कालीन सामाजिक धारा का प्रभाव होता है और दूसरे प्रश्न के पीछे माता पिता की महत्वाकांक्षा। तीसरे प्रश्न का उत्तर किसी भी बच्चे के व्यक्तित्व की बनावट और उसकी बौद्धिक क्षमता में मौजूद होता है लेकिन इन दोनों का सही आकलन न होने से सामाजिक दबाव और माता पिता की महत्वाकांक्षा ही ज्यादा असरदार साबित होते हैं। इसीलिये अधिकांश मातापिता द्वारा बच्चों को उनकी इच्छा के विपरीत और क्षमता के बाहर की पढ़ाई करने का दबाव डाला जाता है। और यह समस्या तब और भी गम्भीर हो जाती है जब बच्चों को महंगी कोचिंग क्लास में भेजा जाता है। पहले दसवीं कक्षा के बाद कोचिंग का फैशन था लेकिन बीषण प्रतिस्पर्धा के चलते अब कई कोचिंग संस्थान आठवीं कक्षा के बाद ही नीट या जेईई की तैयारी शुरू करवा देते हैं। इस कोचिंग कोर्स का लाखों खर्च के कारण मातापिता बच्चों को बीच बीच में याद

परमाणु ताकत में रूस दुनिया मे सबसे आगे, भारत बना रहा है डिलेवरी सिस्टम को आधुनिक

दुनिया में बदलते सामरिक समीकरणों, बढ़ते तनाव और कई क्षेत्रों में जारी संघर्षों के बीच परमाणु हथियार आज भी राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक प्रतिरोधक क्षमता का महत्वपूर्ण हिस्सा बने हुए हैं। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट यानी एसआईपीआरआई की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2026 तक दुनिया के नौ परमाणु हथियार संभ्र संशोधन के पास अनुमानित 12,187 परमाणु हथियार थे। इनमें करीब 9,745 हथियार सैन्य भंडार में संभावित इस्तेमाल के लिए उपलब्ध माने गए हैं। लगभग 4,012 परमाणु हथियार मिसाइलों और परिचालन वाले विमानों के साथ तैनात थे। जनवरी 2025 की तुलना में यह संख्या करीब 100 अधिक है। एसआईपीआरआई के अनुसार 2,100 से 2,200 परमाणु हथियार बैलिस्टिक मिसाइलों पर उच्च परिचालन सतर्कता की स्थिति में थे और इनमें लगभग सभी रूस तथा अमेरिका के थे। रूस और अमेरिका के पास सबसे बड़ा परमाणु जखीरा परमाणु हथियारों की संख्या के मामले में रूस सबसे आगे है। एसआईपीआरआई के अनुमान के अनुसार रूस के पास करीब 5,420 और अमेरिका के पास करीब 5,042 परमाणु हथियार हैं। दोनों देशों के पास मिलाकर दुनिया के सैन्य परमाणु भंडार का करीब 83 प्रतिशत हिस्सा है। इसके बाद चीन करीब 620 परमाणु हथियारों के साथ तीसरे स्थान पर है। फ्रांस के पास करीब 370 और ब्रिटेन के पास करीब 225 परमाणु हथियार होने का अनुमान है। भारत करीब 190 के साथ छठे और पाकिस्तान करीब 170 के साथ सातवें स्थान पर है। इजराइल के पास करीब 90 और उत्तर कोरिया के पास करीब 60 परमाणु हथियार होने का अनुमान है।

भारत की सुरक्षा स्थिति अन्य परमाणु देशों से अलग है। भारत के सामने पश्चिम में पाकिस्तान और उत्तर में चीन जैसी दो परमाणु हथियार संपन्न शक्तियां हैं। दोनों देशों की सैन्य क्षमताओं और रणनीतिक नीतियों का भारत की सुरक्षा पर सीधा प्रभाव पड़ता है। चीन के पास भारत की तुलना में परमाणु हथियारों का अनुमानित जखीरा तीन गुने से भी अधिक है और उसका परमाणु आधुनिकीकरण तेज गति से जारी है। दूसरी ओर पाकिस्तान के पास करीब 170 परमाणु हथियार होने का अनुमान है। यही कारण है कि भारत के लिए सैन्य शक्ति को लगातार आधुनिक बनाना महत्वपूर्ण है। सीमा सुरक्षा केवल सैनिकों की संख्या या परमाणु हथियारों की संख्या से तय नहीं होती। आधुनिक मिसाइल रक्षा, वायु

तत्कालीन अंग्रेज सरकार को इस बारे में कानून बनाने के लिए भी बाध्य किया। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह के लिए लोकमत तैयार किया और उनके अदृष्ट प्रयासों की बदौलत ही ‘विधवा पुनर्विवाह कानून’ पारित हो सका था। वह कानून पारित होने के तीन महीने बाद ही उन्होंने एक विधवा कमलादेवी का विवाह प्रतिष्ठित घराने के एक युवक के साथ कराया था, जो बंगाल का पहला विधवा विवाह था। उन्होंने 25 विधवाओं का पुनर्विवाह 1856-60 के बीच सम्पन्न कराया। यही नहीं, अपने इकलौते पुत्र नारायण का विवाह भी एक विधवा से करारकर समस्त उन्होंने भारतीय समाज के समक्ष कथनी और करनी के भेद को खत्म करने की अविस्मरणीय मिसाल पेश की थी।

पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर जिले में धार्मिक प्रवृत्ति के एक गरीब ब्राह्मण परिवार में 26 सितम्बर 1820 को जन्मे ईश्वरचंद्र विद्यासागर जीवन पर्यंत नैतिक मूल्यों के संरक्षक माने जाते रहे। वास्तव में वे एक ऐसी महान् शख्सियत थे, जिन्होंने नारी शिक्षा को ब?वा देने के साथ-साथ बहुपत्नी प्रथा और बहु-विवाह के खिलाफ भी आवाज उठाई। वे अपने जीवन के अंतिम क्षणों तक नारी उत्थान के प्रबल समर्थक रहे। उनके अथक प्रयासों से ही कोलकाता सहित पश्चिम बंगाल में कई स्थानों पर कई बालिका विद्यालयों की स्थापना हुई थी और उन्होंने कलकत्ता में मेट्रोपोलिटन कॉलेज की स्थापना भी की थी। नारी शिक्षा के लिए गंभीर प्रयास करते हुए उन्होंने बैठने स्कूल की स्थापना की और करीब तीन दर्जन स्कूल खुलवाए। इतना ही नहीं, इन स्कूलों के संचालन के लिए पूरे खर्च की जिम्मेदारी भी उन्होंने स्वयं उठाई थी। दरअसल स्कूलों के खर्च के लिए वे विशेष रूप से स्कूली बच्चों के लिए बंगाली में लिखी गई

छात्रों की आत्महत्या के असल जिम्मेदार कौन?

दिलाले रहते हैं कि उन्हें हर हाल में सफल होना है। मातापिता भले ही इसे प्रेरणा समझें लेकिन यह बच्चों को और अधिक तनाव में डाल देता है।

कोचिंग क्लास की कठिन दिनचर्या कुछ इस तरह है कि छात्र को परम्परागत स्कूल छोड़ना पड़ता है और उनका प्रवेश ऐसे डमी स्कूलों में करवा दिया जाता है जहां सिर्फ उनकी हाजिरी दिखाई जाती है। चूंकि छात्र स्कूल के वातावरण से वंचित रहते हैं इसलिए उन्हें किशोरावस्था में सामंजस्य, समझौता, सहयोग, और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सीखने का अवसर ही नहीं मिलता। इसके बजाय वे कोचिंग के तनावपूर्ण माहौल में एक दूसरे से आगे निकलने के हुनर सीखते रहते है। इससे छात्रों का मानसिक और भावनात्मक विकास नहीं हो पाता और भावी जीवन में किसी भी कठिनाई और असफलता से छात्र टूट जाते हैं और कमजोर क्षणों में आत्मघात जैसे कठोर कदम भी उठा लेते हैं।उपभोक्तावाद से प्रेरित समाज की सोच मातापिता की महत्वाकांक्षा तक पहुंच कर रुक गयी है। इसी का नतीजा है कि देश भर के नामी इंजीनियरिंग और मेडीकल संस्थानों में दाखिले के बावजूद बच्चे दबाव और तनाव में रहते हैं। कोचिंग के गलाकाट प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में सालों साल कोशिश करते रहने के परिणामस्वरूप ऐसे कई छात्रों की मानसिक स्थिति बेहद नाजुक और कमजोर हो जाती है और नामी संस्थानों में पढ़ाई का दबाव उन्हें निराशा और अवसाद में धकेल देता है। नतीजा यह कि आत्महत्या की घटनाएं निरन्तर जारी हैं। लेकिन हम हैं कि समस्या को अजीबोगरीब रंग देकर अगली दुर्घटना का इंतजार करने लगते हैं। इस लीपापोती के मूल में यह भय है कि असलियत सामने आते ही उसे स्वीकार करना मुश्किल होगा। और असलियत यही है कि इन आत्महत्याओं के वास्तविक जिम्मेदार महत्वाकांक्षी मातापिता और दिगभ्रमित समाज हैं। हर आत्महत्या पर किसी को बलि का बकरा बना देने से आत्महत्याएं नहीं रुकेगी। शिक्षाशास्त्रिज्यों, मनोवैज्ञानिकों और योजनाकारों को पूरी व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करना पड़ेगा तब हम आत्महत्याएं रोक पायेंगे।

किताबों की बिक्री से फंड जुटाते थे। स्थानीय बांग्ला भाषा तथा ल?कियों की शिक्षा के लिए उन्होंने स्कूलों की एक श्रृंखला के साथ कलकत्ता में मेट्रोपोलिटन कॉलेज की स्थापना भी की थी। ब्रिटिश शासनकाल में ऐसे कॉलेज विरले ही होते थे, जिनका संचालन पूर्ण रूप से भारतीयों के ही हाथों में हो और जहां पढ़ने वाले सभी शिक्षक भी भारतीय ही हों किन्तु ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने कोलकाता में वर्ष 1872 में विद्यासागर कॉलेज की स्थापना कर यह कारनामा भी कर दिखाया था।

बंगाल समाज के लिए किए गए इसी प्रकार के अनेक कार्यों की वजह से ही उन्हें बंगाल पुनर्जागरण का प्रमुख स्तंभ माना जाता है। समाज सुधार तथा समाज की भलाई के लिए किए जाने वाले कार्यों के चलते ही उन्हें गरीबों और दलितों का संरक्षक तथा महान् समाज सुधारक के रूप में जाना जाने लगा। भारतीय समाज में आज भी ईश्वरचंद्र विद्यासागर को स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, लेखक, शिक्षाविद्, दार्शनिक इत्यादि अनेक रूपों में स्मरण किया जाता है। 29 जुलाई 1891 को यह महान् शख्सियत हमेशा के लिए अटल शून्य में विलीन हो गई। हमेशा समाज की भलाई के लिए सोचने और समाज के लिए कुछ अलग करते रहने के कारण ही उन्हें एक महान् समाज सुधारक के रूप में राजा राममोहन राय का उत्तराधिकारी भी माना जाता रहा है। नैतिक मूल्यों के संरक्षक और महान शिक्षाविद विद्यासागर का मानना था कि अंग्रेजी और संस्कृत भाषाओं के ज्ञान का समन्वय करके ही भारतीय और पाश्चात्य परंपराओं के श्रेष्ठ को हासिल किया जा सकता है।

(लेखिका- श्वेता गोयल)

छात्रों की आत्महत्या के असल जिम्मेदार कौन?

दिलाले रहते हैं कि उन्हें हर हाल में सफल होना है। मातापिता भले ही इसे प्रेरणा समझें लेकिन यह बच्चों को और अधिक तनाव में डाल देता है।

कोचिंग क्लास की कठिन दिनचर्या कुछ इस तरह है कि छात्र को परम्परागत स्कूल छोड़ना पड़ता है और उनका प्रवेश ऐसे डमी स्कूलों में करवा दिया जाता है जहां सिर्फ उनकी हाजिरी दिखाई जाती है। चूंकि छात्र स्कूल के वातावरण से वंचित रहते हैं इसलिए उन्हें किशोरावस्था में सामंजस्य, समझौता, सहयोग, और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सीखने का अवसर ही नहीं मिलता। इसके बजाय वे कोचिंग के तनावपूर्ण माहौल में एक दूसरे से आगे निकलने के हुनर सीखते रहते है। इससे छात्रों का मानसिक और भावनात्मक विकास नहीं हो पाता और भावी जीवन में किसी भी कठिनाई और असफलता से छात्र टूट जाते हैं और कमजोर क्षणों में आत्मघात जैसे कठोर कदम भी उठा लेते हैं।उपभोक्तावाद से प्रेरित समाज की सोच मातापिता की महत्वाकांक्षा तक पहुंच कर रुक गयी है। इसी का नतीजा है कि देश भर के नामी इंजीनियरिंग और मेडीकल संस्थानों में दाखिले के बावजूद बच्चे दबाव और तनाव में रहते हैं। कोचिंग के गलाकाट प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में सालों साल कोशिश करते रहने के परिणामस्वरूप ऐसे कई छात्रों की मानसिक स्थिति बेहद नाजुक और कमजोर हो जाती है और नामी संस्थानों में पढ़ाई का दबाव उन्हें निराशा और अवसाद में धकेल देता है। नतीजा यह कि आत्महत्या की घटनाएं निरन्तर जारी हैं। लेकिन हम हैं कि समस्या को अजीबोगरीब रंग देकर अगली दुर्घटना का इंतजार करने लगते हैं। इस लीपापोती के मूल में यह भय है कि असलियत सामने आते ही उसे स्वीकार करना मुश्किल होगा। और असलियत यही है कि इन आत्महत्याओं के वास्तविक जिम्मेदार महत्वाकांक्षी मातापिता और दिगभ्रमित समाज हैं। हर आत्महत्या पर किसी को बलि का बकरा बना देने से आत्महत्याएं नहीं रुकेगी। शिक्षाशास्त्रिज्यों, मनोवैज्ञानिकों और योजनाकारों को पूरी व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करना पड़ेगा तब हम आत्महत्याएं रोक पायेंगे।

(लेखक- डॉ योगेन्द्र श्रीवास्तव)

परमाणु ताकत में रूस दुनिया मे सबसे आगे, भारत बना रहा है डिलेवरी सिस्टम को आधुनिक

दुनिया में बदलते सामरिक समीकरणों, बढ़ते तनाव और कई क्षेत्रों में जारी संघर्षों के बीच परमाणु हथियार आज भी राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक प्रतिरोधक क्षमता का महत्वपूर्ण हिस्सा बने हुए हैं। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट यानी एसआईपीआरआई की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2026 तक दुनिया के नौ परमाणु हथियार संभ्र संशोधन के पास अनुमानित 12,187 परमाणु हथियार थे। इनमें करीब 9,745 हथियार सैन्य भंडार में संभावित इस्तेमाल के लिए उपलब्ध माने गए हैं। लगभग 4,012 परमाणु हथियार मिसाइलों और परिचालन वाले विमानों के साथ तैनात थे। जनवरी 2025 की तुलना में यह संख्या करीब 100 अधिक है। एसआईपीआरआई के अनुसार 2,100 से 2,200 परमाणु हथियार बैलिस्टिक मिसाइलों पर उच्च परिचालन सतर्कता की स्थिति में थे और इनमें लगभग सभी रूस तथा अमेरिका के थे। रूस और अमेरिका के पास सबसे बड़ा परमाणु जखीरा परमाणु हथियारों की संख्या के मामले में रूस सबसे आगे है। एसआईपीआरआई के अनुमान के अनुसार रूस के पास करीब 5,420 और अमेरिका के पास करीब 5,042 परमाणु हथियार हैं। दोनों देशों के पास मिलाकर दुनिया के सैन्य परमाणु भंडार का करीब 83 प्रतिशत हिस्सा है। इसके बाद चीन करीब 620 परमाणु हथियारों के साथ तीसरे स्थान पर है। फ्रांस के पास करीब 370 और ब्रिटेन के पास करीब 225 परमाणु हथियार होने का अनुमान है। भारत करीब 190 के साथ छठे और पाकिस्तान करीब 170 के साथ सातवें स्थान पर है। इजराइल के पास करीब 90 और उत्तर कोरिया के पास करीब 60 परमाणु हथियार होने का अनुमान है।

भारत की सुरक्षा स्थिति अन्य परमाणु देशों से अलग है। भारत के सामने पश्चिम में पाकिस्तान और उत्तर में चीन जैसी दो परमाणु हथियार संपन्न शक्तियां हैं। दोनों देशों की सैन्य क्षमताओं और रणनीतिक नीतियों का भारत की सुरक्षा पर सीधा प्रभाव पड़ता है। चीन के पास भारत की तुलना में परमाणु हथियारों का अनुमानित जखीरा तीन गुने से भी अधिक है और उसका परमाणु आधुनिकीकरण तेज गति से जारी है। दूसरी ओर पाकिस्तान के पास करीब 170 परमाणु हथियार होने का अनुमान है। यही कारण है कि भारत के लिए सैन्य शक्ति को लगातार आधुनिक बनाना महत्वपूर्ण है। सीमा सुरक्षा केवल सैनिकों की संख्या या परमाणु हथियारों की संख्या से तय नहीं होती। आधुनिक मिसाइल रक्षा, वायु

सुरक्षा, समुद्री निगरानी, लड़ाकू विमान, पनडुब्बियां, ड्रोन, अंतरिक्ष तकनीक, साइबर सुरक्षा और स्वदेशी रक्षा उत्पादन आज राष्टीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण आधार हैं। दुनिया के बड़े देशों में सैन्य खर्च बढ़ने का एक कारण भी यही बदलता हुआ सुरक्षा वातावरण है। एसआईपीआरआई के अनुसार 2025 में वैश्विक सैन्य खर्च 2.9 प्रतिशत बढ़कर करीब 2.9 लाख करोड़ डॉलर के बराबर पहुंच गया और लगातार 11वें वर्ष इसमें वृद्धि हुई। अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत दुनिया के पांच सबसे बड़े सैन्य खर्च करने वाले देश रहे। भारत के लिए चुनौती यह है कि वह सुरक्षा जरूरतों और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाए रखते हुए अपनी सैन्य क्षमता को मजबूत करे। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन बढ़ने से न केवल सुरक्षा मजबूत होती है बल्कि विदेशी निर्भरता भी कम होती है। आधुनिक तकनीक और अनुसंधान में निवेश आने वाले समय में परंपरिक हथियारों की संख्या से अधिक महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। मजबूत प्रतिरोधक क्षमता ही सुरक्षा की आधारशिला परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाना अपने आप में किसी देश को अधिक सुरक्षित बनाने का एकमात्र रास्ता नहीं है। परमाणु शक्ति का वास्तविक महत्व विश्वसनीय प्रतिरोधक क्षमता, सुरक्षित कमान और नियंत्रण तथा ऐसी क्षमता में है जिससे किसी भी संभावित हमले की स्थिति में प्रभावी जवाब दिया जा सके। भारत लंबे समय से विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोधक क्षमता और प्रथम प्रयोग न करने की नीति की बात करता रहा है। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत अपनी परमाणु नीति में विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोधक क्षमता और प्रथम प्रयोग न करने की नीति के प्रति प्रतिबद्ध है। वर्तमान वैश्विक परिस्थिति में भारत को अपनी सुरक्षा

परमाणु ताकत में रूस दुनिया मे सबसे आगे, भारत बना रहा है डिलेवरी सिस्टम को आधुनिक

परमाणु ताकत में रूस दुनिया मे सबसे आगे, भारत बना रहा है डिलेवरी सिस्टम को आधुनिक

दुनिया में बदलते सामरिक समीकरणों, बढ़ते तनाव और कई क्षेत्रों में जारी संघर्षों के बीच परमाणु हथियार आज भी राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक प्रतिरोधक क्षमता का महत्वपूर्ण हिस्सा बने हुए हैं। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट यानी एसआईपीआरआई की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2026 तक दुनिया के नौ परमाणु हथियार संभ्र संशोधन के पास अनुमानित 12,187 परमाणु हथियार थे। इनमें करीब 9,745 हथियार सैन्य भंडार में संभावित इस्तेमाल के लिए उपलब्ध माने गए हैं। लगभग 4,012 परमाणु हथियार मिसाइलों और परिचालन वाले विमानों के साथ तैनात थे। जनवरी 2025 की तुलना में यह संख्या करीब 100 अधिक है। एसआईपीआरआई के अनुसार 2,100 से 2,200 परमाणु हथियार बैलिस्टिक मिसाइलों पर उच्च परिचालन सतर्कता की स्थिति में थे और इनमें लगभग सभी रूस तथा अमेरिका के थे। रूस और अमेरिका के पास सबसे बड़ा परमाणु जखीरा परमाणु हथियारों की संख्या के मामले में रूस सबसे आगे है। एसआईपीआरआई के अनुमान के अनुसार रूस के पास करीब 5,420 और अमेरिका के पास करीब 5,042 परमाणु हथियार हैं। दोनों देशों के पास मिलाकर दुनिया के सैन्य परमाणु भंडार का करीब 83 प्रतिशत हिस्सा है। इसके बाद चीन करीब 620 परमाणु हथियारों के साथ तीसरे स्थान पर है। फ्रांस के पास करीब 370 और ब्रिटेन के पास करीब 225 परमाणु हथियार होने का अनुमान है। भारत करीब 190 के साथ छठे और पाकिस्तान करीब 170 के साथ सातवें स्थान पर है। इजराइल के पास करीब 90 और उत्तर कोरिया के पास करीब 60 परमाणु हथियार होने का अनुमान है।

भारत की सुरक्षा स्थिति अन्य परमाणु देशों से अलग है। भारत के सामने पश्चिम में पाकिस्तान और उत्तर में चीन जैसी दो परमाणु हथियार संपन्न शक्तियां हैं। दोनों देशों की सैन्य क्षमताओं और रणनीतिक नीतियों का भारत की सुरक्षा पर सीधा प्रभाव पड़ता है। चीन के पास भारत की तुलना में परमाणु हथियारों का अनुमानित जखीरा तीन गुने से भी अधिक है और उसका परमाणु आधुनिकीकरण तेज गति से जारी है। दूसरी ओर पाकिस्तान के पास करीब 170 परमाणु हथियार होने का अनुमान है। यही कारण है कि भारत के लिए सैन्य शक्ति को लगातार आधुनिक बनाना महत्वपूर्ण है। सीमा सुरक्षा केवल सैनिकों की संख्या या परमाणु हथियारों की संख्या से तय नहीं होती। आधुनिक मिसाइल रक्षा, वायु

सुरक्षा, समुद्री निगरानी, लड़ाकू विमान, पनडुब्बियां, ड्रोन, अंतरिक्ष तकनीक, साइबर सुरक्षा और स्वदेशी रक्षा उत्पादन आज राष्टीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण आधार हैं। दुनिया के बड़े देशों में सैन्य खर्च बढ़ने का एक कारण भी यही बदलता हुआ सुरक्षा वातावरण है। एसआईपीआरआई के अनुसार 2025 में वैश्विक सैन्य खर्च 2.9 प्रतिशत बढ़कर करीब 2.9 लाख करोड़ डॉलर के बराबर पहुंच गया और लगा

दो मल्टीलेवल पार्किंग, फिर भी रोज जाम से जूझ रहा पुराना शहर

इब्राहिमपुरा रोड पर सड़क किनारे खड़े वाहनों और अस्थायी कब्जों से बढ़ रही परेशानी

त्योहारी सीजन में हालात और बिगड़ने की आशंका

भोपाल, यश भारत। पुराने शहर के प्रमुख बाजारों में बढ़ता ट्रैफिक और सड़क किनारे बेतरतीब खड़े वाहन लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गए हैं। इब्राहिमपुरा रोड पर दो मल्टीलेवल पार्किंग होने के बावजूद मुख्य सड़क पर जाम की स्थिति बनी रहती है। पार्किंग की एंटी और एग्जिट तक पहुंचने में भी वाहन चालकों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। दो मल्टीलेवल पार्किंग, फिर भी सड़क पर वाहनों की कतार- इब्राहिमपुरा रोड पर दो मल्टीलेवल पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है लेकिन मुख्य सड़क पर वाहनों की लगातार आवाजाही और कतार के कारण पार्किंग में प्रवेश और बाहर निकलना आसान नहीं है। ऐसे में कई वाहन चालक सड़क किनारे ही वाहन खड़ा कर देते हैं जिससे सड़क की चौड़ाई कम हो जाती है और जाम की स्थिति बनती है। सड़क किनारे खड़े वाहन बढ़ा रहे परेशानी- पार्किंग व्यवस्था के बेहतर संचालन और यातायात प्रबंधन की कमी का असर सड़क पर दिखाई देता है। चार बत्ती चौराहे सहित आसपास के इलाकों में अस्थायी कब्जों के कारण भी यातायात प्रभावित होता है। कब्जे हटाने की कार्रवाई के दौरान नगर निगम के अधिकारियों को भी चुनौती का सामना करना पड़ता है।



ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई पर उठ रहे सवाल- स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क किनारे खड़े वाहनों और अस्थायी कब्जों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से समस्या लगातार बनी हुई है। त्योहारी सीजन में बाजारों में खरीदारों की संख्या बढ़ने के साथ ही ट्रैफिक का दबाव भी बढ़ जाता है। जाम के कारण पैदल चलने वालों को भी काफी परेशानी होती है। पुराने शहर के कई बाजारों में यही हाल- पुराने शहर के प्रमुख बाजारों में लगातार बढ़ते ट्रैफिक के कारण लोगों को परेशानी हो रही है। इब्राहिमपुरा नदीम रोड चौक इतवार मंगलवारा गिज़ौरी रेतघाट मोती मस्जिद घोड़ा नक्कास जुमेराती छावनी और आजाद मार्केट में भी यातायात दबाव की स्थिति बनी रहती है।

त्योहारी सीजन में बढ़ेगा ट्रैफिक दबाव त्योहारी सीजन में इन बाजारों में खरीदारों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। ऐसे में यदि समय रहते यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित नहीं किया गया तो जाम की समस्या और गंभीर हो सकती है। बाजार क्षेत्र में वाहनों की पार्किंग पैदल यात्रियों की आवाजाही और दुकानों के सामने होने वाले अस्थायी कब्जों को लेकर विशेष व्यवस्था की जरूरत है। स्थानीय लोगों ने बेहतर यातायात प्रबंधन सड़क किनारे बेतरतीब पार्किंग पर प्रभावी कार्रवाई और अस्थायी कब्जे हटाने की मांग की है। साथ ही लोगों का कहना है कि मल्टीलेवल पार्किंग तक वाहनों की आसान पहुंच सुनिश्चित की जाए ताकि मुख्य सड़क पर वाहनों का दबाव कम हो और बाजार में आवागमन सुचारु हो सके।



वाजपेयी नगर मल्टी में पुलिस आयुक्त का जनसंवाद

सुरक्षा, सत्यापन और साइबर जागरूकता पर दिया जोर

भोपाल। थाना शाहजहाँनाबाद क्षेत्र अंतर्गत शावाजपेयी नगर मल्टी में नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं उनकी समस्याओं के निराकरण के उद्देश्य से जनसंवाद कार्यक्रम म आयोजित किया गया। कार्यक्रम में म पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने नागरिकों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना।

जनसंवाद के दौरान स्थानीय नागरिकों ने मल्टी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किराएदारों का अनिवार्य पुलिस सत्यापन कराने का सुझाव दिया। रहवासियों का कहना था कि कई मकान मालिक अन्य स्थानों पर निवास करते हैं और उनके फ्लैट्स में किराएदार रह रहे हैं, ऐसे में सुरक्षा के लिहाज से सत्यापन अति आवश्यक है। इसके साथ ही परिसर में होने वाली अस्वामिजिक गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने की मांग भी रखी गई। पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने नागरिकों के सुझावों और शिकायतों पर तत्परता दिखाते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान सीपी ने उपस्थित नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई। साथ ही साइबर अपराधों से बचाव, सुरक्षित डिजिटल लेनदेन, ऑनलाइन ठगी से सतर्क रहने तथा साइबर सुरक्षा के महत्वपूर्ण उपायों की विस्तृत जानकारी देकर लोगों को जागरूक किया। नागरिकों से अपील करते हुए पुलिस आयुक्त ने कहा कि किसी भी प्रकार की अवैधानिक गतिविधि दिखने पर तुरंत 112 नंबर पर संपर्क करें।

तेज रफ्तार कार मेकल भोजनालय में घुसी अधिवक्ता की मौत,चालक समेत कर्मचारी घायल मेडिकल कॉलेज के मरचुरी गेट के पास तड़के हुआ हादसा



जबलपुर, यश भारत। गढ़ा थाना क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज के मरचुरी गेट के पास शुक्रवार तड़के करीब 4 बजे तेज रफ्तार स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित मेकल भोजनालय में जा घुसी। हादसे में कार में सवार धनवंतरी नगर निवासी अधिवक्ता शुभम शर्मा (32) की मौत हो गई। कार चालक शरद दुबे और भोजनालय का एक कर्मचारी घायल हो गया। हादसे में भोजनालय का सामान भी क्षतिग्रस्त हुआ है।

अचानक अनियंत्रित हुई कार प्रारंभिक जानकारी के अनुसार जसुजा सिटी निवासी शरद दुबे अपने दोस्त अधिवक्ता शुभम शर्मा के साथ स्विफ्ट कार से जा रहा था। मेडिकल कॉलेज के मरचुरी गेट के पास अचानक कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे बने मेकल भोजनालय में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि भोजनालय का सामान बिखर गया। हादसे के समय भोजनालय में सो रहे लोग भी कार की चपेट में आ गए। भोजनालय संचालक की मुताबिक, वह सुबह करीब 4 बजे



भोजनालय खोलने की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर भोजनालय के अंदर घुस गई। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई और घायलों को बाहर निकालकर मदद की गई। कार में मिली शराब की बोतल, नशे की आशंका मौके पर मौजूद लोगों ने कार सवार युवकों के शराब के नशे में होने की आशंका जताई है। घटनास्थल से शराब की बोतल मिलने के बात भी सामने आई है। हालांकि, चालक के

नशे में होने की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। पुलिस मेडिकल जांच और रिपोर्ट के आधार पर स्थिति स्पष्ट करेगी। पुलिस ने शुरू की हादसे की जांच घटना की सूचना मिलते ही गढ़ा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया और अधिवक्ता शुभम शर्मा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कार की रफ्तार, चालक की स्थिति, सड़क की परिस्थितियों और हादसे के अन्य कारणों की जांच की जा रही है।

भोपाल में 106 सुगम बसें दौड़ेंगी, शहर से आसपास के क्षेत्रों तक बढ़ेगी कनेक्टिविटी

83 इंद्रासिटी और 23 इंटरसिटी बसों का संचालन, कमांड कंट्रोल सेंटर से रहेगी निगरानी

भोपाल, यश भारत। राजधानी में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के तहत 106 बसों का संचालन शुरू किया जाएगा। इनमें 83 बसें शहर के भीतर और 23 बसें भोपाल को दूसरे शहरों से जोड़ने वाले मार्गों पर चलेंगी। प्रदेश में 25 सितंबर से शुरू हो रही इस सेवा का मुख्य उद्देश्य शहर के साथ आसपास के क्षेत्रों और दूसरे शहरों के बीच सार्वजनिक परिवहन की कनेक्टिविटी मजबूत करना है।

भोपाल के इंद्रासिटी रूटों पर चलने वाली बसें शहर के अलग-अलग हिस्सों को जोड़ने के साथ जरूरत के अनुसार आसपास के उपनगरीय क्षेत्रों तक भी पहुंचेंगी। योजना के तहत सात क्षेत्रीय मुख्यालयों में सिटी बसों को शहर से आगे महत्वपूर्ण उपनगरीय क्षेत्रों तक संचालित करने की व्यवस्था की गई है।

23 बसें दूसरे शहरों से जोड़ेंगी भोपाल

भोपाल से 23 इंटरसिटी बसों का संचालन होगा। इनके जरिए राजधानी को प्रदेश के अन्य प्रमुख शहरों से जोड़ने पर जोर रहेगा। सेवा के विस्तार के साथ शहरों के बीच सीधी बस कनेक्टिविटी बढ़ाने और



यात्रियों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराने की योजना है। प्रदेश में कुल 1036 रूट चिन्हित किए गए हैं, जिनमें इंद्रासिटी, इंटरसिटी और अंतरराज्यीय मार्ग शामिल हैं।

कमांड-कंट्रोल सेंटर से हर बस पर नज़र

भोपाल सहित सुगम परिवहन सेवा की बसों के संचालन की निगरानी इंटीलिजेंट ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम से की जाएगी। बसों की लोकेशन, संचालन और समयबद्धता पर वास्तविक समय में नजर रखी जाएगी। इसके लिए मध्य प्रदेश यात्री परिवहन एवं इंफ्रस्ट्रक्चर लिमिटेड तथा उसकी सात सहायक कंपनियों में कमांड-कंट्रोल सेंटर स्थापित किए गए हैं। बसों में सीसीटीवी कैमरे, पैनिक बटन और वाहन की वास्तविक समय की लोकेशन बताने वाली व्यवस्था भी रहेगी। इससे यात्रियों की सुरक्षा के साथ बस संचालन पर भी प्रभावी निगरानी की जा सकेगी।

अनंत चतुर्दशी पर भोपाल में रहेगा रूट डायवर्जन

भारी वाहनों का प्रवेश बंद; रात 7 बजे से निकलेगा मुख्य गणेश विसर्जन चल समारोह

भोपाल, यशभारत। अनंत चतुर्दशी पर्व पर शुक्रवार, 25 सितंबर को भोपाल शहर में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु पुलिस एवं नगरीय यातायात व्यवस्था द्वारा विशेष ट्रैफिक प्लान जारी किया गया है। प्रातः 9:00 बजे से छोटे-छोटे जुलूसों के रूप में प्रतिमाओं का विसर्जन प्रेमपुरा घाट, कमलापति घाट, बैरगढ़ एवं हताईखेड़ा डैम पर आरंभ होगा। शहर का मुख्य चल समारोह भारत टॉकीज चौराहे से शाम 7 बजे झांकियों एवं गणेश प्रतिमाओं के साथ प्रारंभ होगा। यह जुलूस इतवार चौराहा, गणेश चौक, मंगलवारा, गहवा मंडी, हनुमानगंज, छोटे भैया चौराहा, जुमेराती, पुराना पोस्ट ऑफिस, सिंधी मार्केट, पीरोट, मोती मस्जिद, रेतघाट और कमला पार्क से होकर कमलापति घाट पहुंचेगा। इसके अतिरिक्त कुछ झांकियां पॉलिटेक्निक चौराहे से डिपो चौराहा, 25वीं बटालियन के सामने तथा भदभदा तिराहा होते हुए प्रेमपुरा घाट की ओर प्रस्थान करेंगी।

यातायात पुलिस के अनुसार सुबह 8 बजे से आगामी आदेश तक शहर की सीमाओं-खजुरी सड़क, मुबारकपुर, लांबाखेड़ा, इस्लाम नगर, चोपड़ा कलां, पटेल नगर, 11 मील, रातीबड़, लालघाटी, नरसिंहगढ़ तिराहा, एयरपोर्ट, करोंद एवं भानपुर से सभी प्रकार के अनुमति प्राप्त एवं बिना अनुमति प्राप्त भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। सिटी बस और सामान्य ट्रैफिक पर प्रतिबंध- शाम 5:00 बजे से: भारत टॉकीज, अल्पना तिराहा, नारा बस स्टैंड और भोपाल टॉकीज चौराहे की तरफ सभी प्रकार की सिटी बसें एवं मैजिक वाहनों का आवागमन बंद रहेगा। शाम 6:00 बजे से: मंगलवारा थाना तिराहा, दयानंद चौक, जुमेराती पानी की टंकी तथा पुरानी सब्जी मंडी से घोड़ा नक्कास बस स्टैंड की तरफवाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी।

बड़े ट्रालों के लिए विशेष रूट निर्देश

यातायात पुलिस ने विशेष अपील जारी करते हुए कहा है कि यदि गणेश प्रतिमा ले जा रहे ट्राले की चौड़ाई 4 मीटर से अधिक है, तो उन्हें रोशनपुरा से माता मंदिर, पेंपट्टी चौराहा, भारत टॉकीज अथवा माता मंदिर मैनिट चौराहा होकर भदभदा एवं प्रेमपुरा घाट ले जाया जाए।

सवा साल में 7 महंगा हुआ दूध, पर्दे के पीछे 80 प्रति लीटर का खेल

जबलपुर, यश भारत। जबलपुर में आम जनता को जब बर डालने का खेल बदस्तूर जारी है। जिले में सवा साल के भीतर ही दूध के दामों में 7 का भारी उछाल आ चुका है, जिससे आम उपभोक्ता बुरी तरह पिस रहा है। जुलाई 2025 में 773 प्रति लीटर बिकने वाला दूध मई में 73 बढ़कर 776 किया गया था। अब एक साल पूरा होने से पहले ही डेयरियों ने सीधे 75 की अनधिकृत वृद्धि करते हुए दूध के दाम 780 प्रति लीटर पहुंचा दिए हैं। गंभीर बात यह है कि दुग्ध उत्पादक संघ कागजों और आधिकारिक

बनानों में रेट 76 ही कोट कर रहा है, लेकिन पर्दे के पीछे से दूध 780 में बेचा जा रहा है। विरोध और जनक्रोध से बचने के लिए डेयरी संचालकों ने एक सोची-समझी चाल चली है। पूरे जिले में एक साथ दाम बढ़ाने के बजाय शुरूआत में कुछ चुनिंदा डेयरियों में रेट बढ़ाए जाते हैं। माहौल ठंडा पड़ते ही महीने-डेढ़ महीने के भीतर बाकी जगह भी नया रेट थोप दिया जाता है। बढ़ती महंगाई के दौर में डेयरियों की इस सिंडिकेटबाजी और मनमानी पर प्रशासन की खामोशी से जनता बेहद आक्रोशित है।



मालवीय चौक पर अवैध जैट्टी गेटों बड़ा खतरा इंदौर हादसे से भी सीख नहीं ले रहा प्रशासन

जबलपुर, यश भारत। इंदौर में गणेश उत्सव के दौरान अवैध जैट्टी गेट गिरने से एक व्यक्ति के गंभीर रूप से घायल होने की घटना के बाद भी संस्कारधानी का प्रशासन नींद से नहीं जागा है। शहर के सबसे व्यस्ततम मालवीय चौक और उसके आसपास के सभी प्रमुख मार्गों पर नियमों को ताक पर रखकर विशालकाय और असुरक्षित जैट्टी गेट तान दिए गए हैं। यह स्थिति तब है जब मानवीय हाईकोर्ट के सख्त निर्देश हैं कि सड़कों पर अवैध जैट्टी गेट, होर्डिंग्स और फ्लेक्स पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। नेताओं द्वारा अपनी सियासत

चमकाने और चेहरे चमकाने की होड़ में जनता की जान को सीधे तौर पर जोखिम में डाला जा रहा है। ये अवैध ढांचे न केवल रोजाना यातायात को बाधित कर रहे हैं, बल्कि किसी भी क्षण एक बड़े हादसे का सबब बन सकते

हैं। गणेश उत्सव के समाप्त होते ही नवरात्रि पर्व शुरू होने वाला है, जिसमें ऐसे गेटों की संख्या और बढ़ जाती है। यदि वक्त रहते इन पर बुलडोजर नहीं चला, तो इंदौर जैसी जानलेवा पुनरावृत्ति जबलपुर में भी तय है।

हाईकोर्ट के आदेशों की धज्जियां

- सियासी होड़ में जान का जोखिम: नेतागिरी चमकाने के चक्कर में बिना किसी तकनीकी स्वीकृति के लोहे-बांस के असुरक्षित गेट खड़े किए गए हैं।
- मालवीय चौक पर चोक हुआ ट्रैफिक: चौराहे के चारों मार्गों पर बने गेट चालकों की दृष्टयात प्रभावित कर रहे हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।
- नवरात्रि से पहले हो कड़ी कार्रवाई: प्रशासन इंदौर कांड से सबक लेते हुए तुरंत इन अवैध स्ट्रक्चर्स को हटायें और आयोजकों पर मामला दर्ज करें।

दो मिनट में भारत को दो पदक, इन 5 शूटरों ने किया कमाल



नागोया, एजेंसी। एशियन गेम्स-2026 में शुक्रवार को भारत ने महज दो मिनट में दो पदक जीते। पहले 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम स्पर्धा में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, रुद्राक्ष पाटिल और नीरज कुमार ने रजत पदक जीता। इसके तुरंत बाद सुरुचि सिंह और कमलजीत की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। शूटिंग में भारत के अब तक 10 पदक हो चुके हैं।

कमलजीत

हरियाणा के रेवाड़ी के रहने वाले कमलजीत ने चोट के कारण एथलेटिक्स छोड़ने के बाद 2019 में शूटिंग शुरू की। आर्थिक परेशानियों के बावजूद उन्होंने अपना सफर जारी रखा। 2023 में जूनियर विश्व चैंपियनशिप में 50 मीटर पिस्टल में स्वर्ण जीतकर पहचान बनाई।



सुरुचि सिंह

हरियाणा के झज्जर की सुरुचि ने 13 साल की उम्र में शूटिंग शुरू की। 2025 में उन्होंने तीन आईएसएसएफ विश्व कप में लगातार व्यक्तिगत स्वर्ण जीते। 2026 में भी उन्होंने विश्व कप स्वर्ण और एशियन चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।

नीरज कुमार

50 मीटर राइफल 3 पोजीशन के विशेषज्ञ नीरज ने 2022 विश्व चैंपियनशिप में टीम कांस्य जीता। 2026 एशियन चैंपियनशिप में उन्होंने व्यक्तिगत रजत पदक हासिल किया और टीम स्वर्ण में भी योगदान दिया।

रुद्राक्ष पाटिल

महाराष्ट्र के रुद्राक्ष 10 मीटर एयर राइफल के विशेषज्ञ हैं। 2022 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतकर वह अभिनव बिंद्रा के बाद इस स्पर्धा में व्यक्तिगत विश्व खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय बने। इसी प्रदर्शन के बाद उन्हें विश्व नंबर-1 रैंकिंग भी मिली।

ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर

मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के ऐश्वर्य ने अपने चचेरे भाई और ओलंपियन नवदीप सिंह राठौर को देखकर शूटिंग शुरू की। 2019 में जूनियर विश्व कप में स्वर्ण के साथ जूनियर विश्व रिकॉर्ड बनाया।

एशियन गेम्स- भारतीय विमेंस हॉकी टीम सेमीफाइनल में जापान को 3-1 से हराया, टीम की लगातार चौथी जीत

नागोया, एजेंसी। भारतीय विमेंस हॉकी टीम ने एशियन गेम्स में जापान को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। नागोया के गिफू प्रिफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में खेले गए पूल-बी के मुकाबले में भारत ने लगातार चौथी जीत दर्ज की। टीम 12 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर है। लालरेमसियामी ह्माजोंटे, इशिका चौधरी और नवनीत कौर ने भारत के लिए गोल किए, जबकि जापान की ओर से शिहो कोबायाकावा ने एक गोल किया।

लालरेमसियामी ने दिलाई बढ़त– भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पहले क्वार्टर में नवनीत कौर ने गोल की कोशिश की, लेकिन जापानी गोलकीपर यू कुडो ने उनके शॉट को रोक दिया। गोलकीपर के रोकने के बाद गेंद वापस मैदान में आई। इसी गेंद पर लालरेमसियामी ने सबसे पहले पहुंचकर उसे गोलपोस्ट में डाल दिया और भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। जापान ने पहले क्वार्टर में बराबरी की कोशिश की। उसे पेनल्टी कॉर्नर भी मिला, लेकिन भारतीय कप्तान और गोलकीपर सविता पुनिया ने माहो उठाने के प्रयास को रोक दिया।



इशिका के गोल से भारत 2-0 आगे, नवनीत ने बढ़त 3-0 की– भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पहले क्वार्टर में नवनीत कौर ने गोल की कोशिश की, लेकिन जापानी गोलकीपर यू कुडो ने

उनके शॉट को रोक दिया। गोलकीपर के रोकने के बाद गेंद वापस मैदान में आई। इसी गेंद पर लालरेमसियामी ने सबसे पहले पहुंचकर उसे गोलपोस्ट में डाल दिया और भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। जापान ने पहले

मुंबई इंडियंस के नये मुख्य कोच बने ल्यूक विलियम्स

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 2027 सत्र के लिए ल्यूक विलियम्स को नया मुख्य कोच बनाया है। विलियम्स पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर लिसा केइटली की जगह कोच बनाये गये हैं। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने अब तक महिला लीग के चार में से दो सत्र जीते हैं, जिससे यह फ्रेंचाइजी लीग की सबसे सफल टीमों में से एक बनी हुई है। अब उसे नये कोच से इस सिलसिले को आगे बढ़ाते रहने की उम्मीद है। मुंबई इंडियंस ने आधिकारिक तौर पर विलियम्स को सत्र से पहले टीम का नया मुख्य कोच घोषित किया। फ्रेंचाइजी ने अपने बयान में बताया, मुंबई इंडियंस ने घोषणा की है कि लिसा ने टीम के हेड कोच पद से हटने का फैसला किया है। उनकी जगह 2027 महिला प्रीमियर लीग सीजन से पहले ल्यूक विलियम्स को नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर लिसा केइटली ने फ्रेंचाइजी के साथ अपने कार्यकाल को समाप्त करने का निर्णय लिया। मुंबई इंडियंस ने उनके योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और भविष्य के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं। वहीं मुंबई इंडियंस की सह-मालकिन नीता एम अंबानी ने ल्यूक विलियम्स का मुंबई इंडियंस परिवार में स्वागत करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, हम ल्यूक विलियम्स का मुंबई इंडियंस परिवार में स्वागत करते हुए बेहद खुश हैं। ल्यूक ने



खुद को एक सफल कोच साबित किया है और उनके पास काफी अनुभव, महिला क्रिकेट की गहरी समझ और खिलाड़ियों के विकास के लिए मजबूत प्रतिबद्धता है। अंबानी ने विलियम्स के मार्गदर्शन और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम के भविष्य पर भरोसा जताया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विलियम्स के मार्गदर्शन और हरमनप्रीत की कप्तानी में टीम अपनी गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाएगी, बड़ी उपलब्धियां हासिल करेगी और युवा लड़कियों को प्रेरित करती रहेगी।

वहीं नए मुख् कोच ल्यूक विलियम्स ने मुंबई इंडियंस जैसी प्रतिष्ठित फ्रेंचाइजी से जुड़ने पर उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं मुंबई इंडियंस जैसी प्रतिष्ठित और सफल संस्था से जुड़कर और खिलाड़ियों तथा सपोर्ट स्टाफ के इस प्रतिभाशाली समूह के साथ काम करके बेहद उत्साहित हूं।

रंगा

संसार

परिणीति ने महिलाओं की बॉडी-शेमिंग करने वाले ट्रोल्स को दिया करारा जवाब

छठी मैया गाने में मेकर्स ने हर चीज का रखा ध्यान: तमन्ना भाटिया

अपका श्रुक्रिया। अभिनेत्री ने बताया कि छठी मइया का यह गाना हर किसी का ध्यान खींच रहा है और सोशल मीडिया पर इसे सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। उन्होंने फिल्म की अवधारणा पर भी बात की, यह फिल्म हम सभी के लिए बहुत खास है। हमारे देश में बहुत सारी लोक कहानियां हैं और उन्हें बड़े पर्दे पर लाने के लिए बहुत हिम्मत, स्पष्टता और विजन की जरूरत होती है। फिल्म द वन - फोर्स ऑफ़ द फ़ौरस्ट में सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया पहली बार एक साथ काम कर रहे हैं। इनके अलावा, फिल्म में मनीषा पॉल, श्वेता तिवारी, सुनील शोहर और अनूप सोनी भी अहम भूमिकाओं में हैं।

महज कुछ छोटे क्लिप्स देखकर कोई राय न बनाएं: जेबा

हाल ही में बिग बॉस-20 के कंटेस्टेंट आसिफ खान की पत्नी जेबा ने उनके और शो की साथी कंटेस्टेंट लव गिल की बढ़ती कथित नजदीकियों को लेकर चुप्पी तोड़ी है। सोशल मीडिया पर जेबा ने लोगों से अपील की है कि वे महज कुछ छोटे क्लिप्स देखकर कोई राय न बनाएं, बल्कि 24 घंटे की लाइव फीड देखकर ही किसी नतीजे पर पहुंचें। दरअसल, बिग बॉस के घर के अंदर से आसिफ और लव के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए थे, जिसके बाद कुछ लोगों ने उनकी दोस्ती पर सवाल उठाए और कयास लगाए कि इससे आसिफ की शादी पर असर पड़ सकता है। इन अटकलों और ट्रोलिंग से आहत जेबा ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा नोट साझा किया, जिसमें उन्होंने लोगों को गलत धारणाएं बनाने से परहेज करने की बात कही और स्थिति स्पष्ट की। जेबा ने अपने नोट में लिखा, आसिफ की पत्नी होने के नाते मैं ये बात साफ करना चाहती हूं कि जो लोग मेरे पति के बारे में अलग-अलग कहानियां बना रहे हैं। मैं खासतौर पर शो के कुछ खास पलों और हमारी शादी पर उठ रहे सवालों की बात कर रही हूं। उन्होंने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे छोटे-छोटे क्लिप्स पर भरोसा करने पर अपनी नाराजगी जाहिर की और कहा, प्लीज सोशल मीडिया पर चल रहे कुछ क्लिप्स को देखकर जज मत कीजिए, 24गुणा7 लाइव फीड देखिए।

हाल ही में अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने महिलाओं की बॉडी-शेमिंग करने वाले ट्रोल्स को करारा जवाब दिया है। पोस्टपार्टम के दौरान महिलाओं के शरीर में होने वाले बदलावों को लेकर होने वाली चर्चा को अभिनेत्री ने अजीब बताया और सवाल उठाया कि उन्हें इसका सामना क्यों करना पड़ता है। परिणीति ने कहा, मैं इस पर ध्यान नहीं देती क्योंकि मैं इसे देखती ही नहीं हूं। सच कहूं तो मुझे इसके बारे में पता भी नहीं चलता, क्योंकि मैं सोशल मीडिया पर ज्यादा समय बिताती ही नहीं हूं और अगर कभी पता चल भी जाए तो इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने अपनी जिंदगी के प्रति अपनी सच्चाई पर जोर देते हुए कहा, मैं अपनी लाइफ को लेकर बहुत सच्ची हूं, मैं अपने समय, परिवार, दोस्तों और अपनी खुद की जिंदगी को लेकर सच्ची हूं। अभिनेत्री ने बताया कि वे सोशल मीडिया ट्रोल्स से परेशान नहीं होती हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, मैं उन अनजान लोगों की बातों से परेशान नहीं होने वाली जो मेरे बारे में बात करते हैं। इसका मुझसे कोई लेना-देना नहीं है और मेरे पास इसके लिए समय भी नहीं है। पोस्टपार्टम में वजन बढ़ने को लेकर कैटरिना कैफ की ट्रोलिंग पर परिणीति ने इस तरह की टिप्पणियों को अनपढ़े वाली बताया। उन्होंने आश्चर्य जताते हुए कहा, 2026 में भी महिलाओं को बॉडी शेम किया जाता है तो मुझे ये बहुत ही अनपढ़ता वाली और अजीब बात लगती है कि खासकर उन महिलाओं के बारे में बात की जाती है जो अभी मां बनी हैं। मैं समझ नहीं पाती कि ऐसा क्यों होता है।

अवॉर्ड्स की मेजबानी करना सम्मान की बात: पंकज त्रिपाठी

मुंबई (यशभारत)। आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 में बॉलीवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी पहली बार होस्ट के तौर पर नजर आने वाले हैं। इस बारे में अभिनेता ने कहा कि अपने पूरे करियर में उन्होंने दूसरों के किरदारों को जिया है, लेकिन आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स की मेजबानी करना एक रोमांचक और सम्मानजनक अवसर है।

उन्होंने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, एक एक्टर के लिए कुछ पल ऐसे होते हैं जो थोड़ी ज्यादा घबराहट और बहुत सारी खुशी लेकर आते हैं और पहली बार आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स को होस्ट करना उन्हीं में से एक है। उन्होंने बताया कि कैमरे के सामने किरदारों के जिएं कहानियां सुनाते हुए उन्होंने अपना अधिकांश सफर तय किया है, इसलिए आईआईएफए जैसे प्रतिष्ठित मंच पर एक बिल्कुल अलग भूमिका में आना उनके लिए बेहद उत्साहजनक और सम्मान की बात है। अभिनेता ने आगे कहा कि किसी अवॉर्ड शो को होस्ट करने का यह उनका पहला अनुभव होगा, जो इस पल को उनके लिए और भी खास बनाता है। पंकज त्रिपाठी डिजिटल दुनिया के तेजी से

जिम्मेदारी के साथ न्याय कर पाएंगे। इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवॉर्ड्स (आईआईएफए) के आगामी संस्करण में डिजिटल और मुख्य अवॉर्ड सेरेमनी के लिए दो जोड़े होस्ट होंगे। पंकज त्रिपाठी और अली फजल आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 की मेजबानी करेंगे, जबकि करण जोहर और वरुण धवन आईआईएफए अवॉर्ड्स 2027 को होस्ट करेंगे।

सलाहकार संपादक श्याम कटारे RNI No. MPHIN/26/A1896 फ़ोन - 9111201000 email - indoreyashbharat@gmail.com, (*पी.आर.बी.एक्ट के तहत समचार चयन के लिए जिम्मेदार) (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)